E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 67 | प्रयागराज, मंगलवार 19 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका की जंग खत्म करने के लिए 5 शर्तें-ईरान को मुआवजा नहीं, एनरिच्ड यूरेनियम सौंपे, जब्त प्रॉपर्टी का 25फीसदी ही वापस मिलेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने ईरान के साथ शांति प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पांच बड़ी शर्तें रखी हैं। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका ईरान को बमबारी से हुए नुकसान का कोई मुआवजा नहीं देगा। साथ ही उसने मांग की है कि ईरान अपने 400 किलोग्राम एनरिच्ड यूरेनियम को अमेरिका को सौंपे। अमेरिका की एक और शर्त यह बताई गई है कि ईरान में सिर्फ एक परमाणु सेंटर ही चालू रहना चाहिए। इसके अलावा, अमेरिका ईरान की फ्रीज हुई विदेशी संपत्तियों में से 25फीसदी से ज्यादा रकम जारी करने के पक्ष में नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन चाहता है कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने का मुद्दा बातचीत के जरिए हल किया जाए। हालांकि इन शर्तों पर अभी तक अमेरिका या ईरान की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच ईरान ने अमेरिका सो होर्मुज की नाकाबंदी खत्म करने को कहा है। ऐसा न करने पर ओमान सागर को अमेरिकी सेना का कब्रगाह बनाने की धमकी दी है। 1. यूएई के न्यूक्लियर प्लांट पर ड्रोन हमलाः यूएई के बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर

ड्रोन हमले के बाद आग लग गई। शुरुआती जांच में ईरान पर शक जताया जा रहा है। यह पहली बार है जब यूएई के न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया गया।2. होर्मुज पार कर भारत पहुंचे 15 एलपीजी जहाजः मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला यूएई टैंकर 'सिमी' 20 हजार टन गैस लेकर कांडला पोर्ट पहुंचा। जंग शुरू होने के बाद अब तक 15 एलपीजी जहाज भारत पहुंच चुके हैं। 3. भारत बोला- होर्मुज में शिपिंग रोकना मंजूर नहींः यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में कॉमर्शियल शिपिंग रोकना अस्वीकार्य है। 4. ट्रम्प का नया ऑफर- ईरान 20 साल परमाणु कार्यक्रम रोकेः ट्रम्प ने पहली बार स्थायी रोक के बजाय 20 साल के लिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सस्पेंड करने की बात कही। साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि उसका समय तेजी से खत्म हो रहा है। 5. सीजफायर के बावजूद लेबनान पर इजराइली हमले जारीः संघर्ष विराम बढ़ने के बावजूद इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 30 से ज्यादा हमले किए। हजारों लोग पलायन कर रहे हैं। युद्ध और बढ़ते वैश्विक तनाव का असर अब चीन की अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। चीन में फैक्ट्रियों का उत्पादन और बाजार में खरीदारी दोनों की रफ्तार धीमी हो गई है। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक, अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन 4.1फीसदी बढ़ा, जबकि मार्च में यह बढ़ोतरी 5.7फीसदी थी। वहीं खुदरा बिक्री सिर्फ 0.2फीसदी बढ़ी, जो मार्च के 1.7फीसदी से काफी कम है। इससे पता चलता है कि लोगों की खरीदारी कमजोर पड़ रही है। जनवरी से अप्रैल के बीच फिक्स्ड एसेट निवेश में 1.6फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। खासकर रियल एस्टेट सेक्टर में 13.7फीसदी की बड़ी गिरावट ने अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। हालांकि हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अच्छी बढ़त देखने को मिली। साल के पहले चार महीनों में इसमें 12.6फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा अप्रैल में चीन का निर्यात भी 9.8फीसदी बढ़ा।

वीडी सतीशन केरलम के सीएम बने,64 साल बाद राज्य में किसी मुख्यमंत्री ने पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली,राहुल-प्रियंका मौजूद रहे

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी। कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कैबिनेट में 14 नए चेहरे-केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं। कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है। केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल का नीतिगत संबोधन 29 मई को निर्धारित है, और राज्य का बजट 5 जून तक पेश किए जाने की संभावना है। सीएम सतीशन ने कैबिनेट की पहली बैठक की, 5 बड़े फैसले- शपथ ग्रहण के बाद सीएम सतीशन ने कैबिनेट की पहली बैठक की। इस दौरान कई बड़े फैसले किए गए। 15 जून से महिलाएं केएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। राज्य के बुजुर्गों के लिए एक विशेष विभाग बनाने की घोषणा की गई। आशा (आशा) कार्यकर्ताओं का मानदेय 3,000 रुपए बढ़ाया गया है। 2023 में 'नव केरल यात्रा' के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं पर हुए हमले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। राज्य की वित्तीय स्थिति और राजकोष पर एक 'श्वेत पत्र' जारी किया जाएगा।

नॉर्वे में मोदी बोले-यूरोप भारत में रु100 अरब निवेश करेगा,10 लाख नई नौकरियां आएंगी, भारत-यूरोप के रिश्तों का गोल्डन एज शुरू

ओस्लो। पीएम मोदी ने आज नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में नॉर्वे के पीएम योनास स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता लागू हुआ था। पीएम मोदी के मुताबिक, यह समझौता भारत और नॉर्वे के बीच साझा विकास और समृद्धि का मजबूत आधार बनेगा। इस समझौते के तहत अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख नौकरियां पैदा करने का टारगेट रखा गया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत और यूरोप के रिश्ते एक नए गोल्डन एरा यानी स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर रहे हैं। मोदी ने बताया कि उनकी नॉर्वे यात्रा पिछले साल तय थी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले की वजह से उसे टालना पड़ा। उस मुश्किल समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची दोस्ती दिखाई। 19 मई को ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। मोदी ने कहा कि यह उनके नॉर्डिक समकक्षों से मुलाकात का शानदार अवसर होगा। इस समिट में नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेता शामिल होंगे। यह भारत-नॉर्डिक समिट पहली बार 2018 में स्टॉकहोम और दूसरी बार 2022 में कोपेनहेगन में हुई थी। इस बार बैठक में ग्रीन एनर्जी, डिजिटलाइजेशन, रक्षा सहयोग, जलवायु परिवर्तन और आर्कटिक नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मोदी की यह यात्रा उनके 5 देशों के दौरे का चौथा चरण है। इससे पहले वे यूएई, नीदरलैंड और स्वीडन का दौरा कर चुके हैं। इसके बाद वे इटली जाएंगे। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओस्लो दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता, तनाव और संघर्ष के दौर में उन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना जरूरी है, जिनके साथ समान मूल्यों और हितों को साझा किया जाता है। स्टोरे ने कहा कि दुनिया में इस समय काफी तनाव और अनिश्चितता का माहौल है। ऐसे समय में उन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना जरूरी है जिनकी सोच और मूल्य एक जैसे हों। उन्होंने कहा कि भारत और नॉर्वे जैसे लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग बहुत अहम है। प्रधानमंत्री मोदी की ओस्लो यात्रा दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों को दिखाती है। स्टोरे ने कहा कि भारत और नॉर्वे कई नए समझौते करने जा रहे हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग और बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते से दोनों पक्षों को काफी उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, हरित ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों समेत कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। भारत और नॉर्वे के संबंधों को और मजबूत बनाने पर भी बातचीत की गई।

योगी बोले- सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देंगे,संख्या ज्यादा है तो कंट्रोल क्यों नहीं करते

प्यार से नहीं माने तो दूसरा तरीका अपनाएंगे

लखनऊ। यूपी में बकरीद से एक हफ्ते पहले सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी ने सख्त चेतावनी दी। सोमवार को लखनऊ में अमर उजाला के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा-'नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।' उन्होंने कहा- लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या यूपी में सड़कों पर नमाज होती है? मैं कहता हूं- कतई नहीं। सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं। कोई भी आकर ट्रैफिक डिस्टर्ब करे, यह अधिकार किसी को नहीं है। योगी ने आगे कहा, 'उन लोगों ने मुझसे कहा कि साहब कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा- तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है, तो संख्या कंट्रोल कर लो। सामर्थ्य नहीं है, तो क्यों बेकार में संख्या बढ़ाई जा रही है? सभी को सिस्टम से रहना होगा। सभी को कानून का राज मानना होगा।' सीएम योगी

ने बरेली में हुए बवाल का भी जिक्र किया। कहा- बरेली में लोगों ने हाथ आजमाया था, ताकत भी देख ली। कानून सभी के लिए बराबर है। किसी को भी सड़क जाम करने या अव्यवस्था फैलाने की छूट नहीं दी जाएगी।दरअसल, यूपी में सितंबर 2025 में आई लव मोहम्मद को लेकर विवाद हुआ था। बरेली में मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रजा ने नमाज के बाद धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस ने रोका तो पथराव हो गया था। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। योगी ने यूपी के विकास और निवेश का जिक्र किया। कहा- पहले प्रदेश की पहचान कट्टा और बम से होती थी, लेकिन अब यहां ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। नकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' पैदा होगा। सकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' बनेगा। यूपी में तेजी से निवेश आ रहा है। रोजगार बढ़ रहे हैं। यूपी जल्द 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा बेहतर हुई-योगी ने कहा- यूपी में पहले महिलाएं दिन में भी बाहर निकलने से डरती थीं। अब वे नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं। सुरक्षित घर लौट रही हैं। अब कोई बेटी से छेड़खानी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा- यूपी अब 'बीमारू राज्य' नहीं, बल्कि रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। पिछले 6 साल से यूपी लगातार रेवेन्यू सरप्लस में है। अब प्रदेश को किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती। यूपी के पास कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर और युवाओं की ताकत जैसी अपार संभावनाएं हैं। सरकार सभी 75 जिलों के संतुलित विकास पर काम कर रही है।बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान सड़क पर नमाज का मुद्दा उठाया था- सीएम योगी ने हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सड़कों पर नमाज का मुद्दा उठाया था। उन्होंने बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं और हिंदू त्योहारों पर पाबंदी लगाती हैं। यूपी में कोई सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ सकता। सड़कें यातायात के लिए हैं, नमाज के लिए नहीं। नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा। योगी सरकार ने 2022-23 में सड़कों पर नमाज पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। आदेश दिया कि ईद, अलविदा जुमा या किसी भी अन्य दिन सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। धार्मिक कार्यक्रम केवल ईदगाह, मस्जिदों या निर्धारित धार्मिक स्थलों के अंदर ही होने चाहिए।

राहुल गांधी दिल्ली से लखनऊ के लिए रवाना,2 दिन रायबरेली-अमेठी में रहेंगे

लखनऊ। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल आज से दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। इस दौरान वे रायबरेली और अमेठी में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। राहुल गांधी मंगलवार सुबह 9.30 बजे दिल्ली से लखनऊ के लिए रवाना हुए। यहां से राहुल सड़क मार्ग से रायबरेली जाएंगे। वे बछरावां में मैरिज हॉल का उद्घाटन करेंगे। खीरों में जनसभा करेंगे। फिर लालगंज में महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। राहुल कल यानी 20 मई को राहुल गांधी जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मिलेंगे। स्वतंत्रता सेनानी वीरा पासी की मूर्ति का अनावरण करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। फिर अमेठी रवाना हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल गांधी 6 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका 7वां दौरा होगा। इससे पहले, राहुल 19 जनवरी 2026 को रायबरेली दौरे पर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल के दौरे का फोकस संगठन की समीक्षा के साथ-साथ 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीतिक तैयारियों पर होगा। राहुल बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा कर सकते हैं।

पेट्रोल/डीजल 90-90 पैसे महंगा, 5 दिन में दूसरी बार बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल आज 19 मई से औसतन 90-90 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। पांच दिन में ईंधन के दामों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। मालभाड़ा बढ़ेगाः ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे। खेती की लागतः ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी। बस-ऑटो का किरायाः सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी? इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। बेस प्राइस से चार गुना तक बढ़ जाती है कीमत-अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' यानी डायनेमिक प्राइसिंग सिस्टम के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं। उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले तेल की कीमतों में कई तरह के टैक्स और खर्च जुड़ते हैं, जिसे हम आसान भाषा में समझ सकते हैं:-1. कच्चे तेल की कीमत (बेस प्राइस): भारत अपनी जरूरत का करीब 90फीसदी क्रूड विदेशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे गए बैरल के हिसाब से प्रति लीटर तेल की कीमत तय होती है। 2. रिफाइनिंग और कंपनियों का चार्जः कच्चे तेल को देश की रिफाइनरियों में साफ करके पेट्रोल-डीजल बनाया जाता है। इसमें रिफाइनिंग लागत और कंपनियों का मार्जिन शामिल होता है। 3. केंद्र सरकार की एक्साइज ड्यूटीः रिफाइनरी से निकलने के बाद केंद्र सरकार इस पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) और रोड सेस लगाती है। यह देशभर में सभी राज्यों के लिए समान होती है। 4. डीलर कमीशनः तेल कंपनियां जिस रेट पर पेट्रोल पंप मालिकों (डीलर्स) को ईंधन बेचती हैं, उसमें डीलर्स का अपना निश्चित कमीशन जोड़ा जाता है, जो पेट्रोल और डीजल के लिए अलग-अलग होता है। 5. राज्य सरकार का वैटः सबसे आखिर में राज्य सरकारें अपने हिसाब से वैट या लोकल सेल्स

टैक्स लगाती हैं। चूंकि हर राज्य की वैट दरें अलग होती हैं, इसीलिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे अलग-अलग शहरों में ईंधन की कीमतें भी अलग-अलग हो जाती हैं। पड़ोसी देशों में बढ़े दाम, भारत में अब हुआ इजाफा-सरकार अब तक यह तर्क देती रही थी कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके चलते पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 15फीसदी से 20फीसदी तक बढ़ गईं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया। 2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी-देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में रु2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया। तेल कंपनियों को हर महीने 30 हजार करोड़ का घाटा हो रहा था-सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब रु30,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई थी-इससे पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी रु13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर रु3 रुपए, जबकि डीजल पर रु10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद यह 11.90 रुपए रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 रुपए से घटकर 7.8 रुपए पर आ गई थी। सरकार का ये फैसला पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए था। इस निर्णय की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे। पीएम मोदी ने कहा था- ईंधन का इस्तेमाल कम करें-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों के सावधानीपूर्वक उपयोग का सुझाव दिया था। पीएम ने कहा था कि आज समय की मांग है कि पेट्रोल, गैस और डीजल का उपयोग बहुत संयम से किया जाए। हमें आयातित पेट्रो उत्पादों का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए। इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव भी कम होंगे।

नीदरलैंड ने भारत को 1000 साल पुराने सिक्के, मुहर लौटाई

नयी दिल्ली। नीदरलैंड ने भारत को 11वीं सदी की ताम्र पट्टिकाएं लौटाईं-17 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान भारत को आधिकारिक तौर पर 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोल वंश

कॉपर प्लेट यानी मुहर और सिक्के लौटाए गए। ये कॉपर प्लेटस दरअसल ताम्र पट्टिकाएं हैं, जिन्हें लीडेन प्लेट्स भी कहा जाता है, जिन पर अपने समय की जानकारी लिखी होती है। नीदरलैंड से आने वाली इन चोल कॉपर प्लेटस में करीब 1000 साल पुराने तमिल दस्तावेज हैं, जिनमें चोल साम्राज्य से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी दर्ज है। भारत और नीदरलैंड के बीच हुए इस समझौते के तहत 11वीं सदी की चोल ताम्र पट्टिकाएं जल्द भारत लाई जाएंगी। इसमें 21 बड़ी और 3 छोटी तांबे की प्लेटों का संग्रह है। इनमें ज्यादातर लेख तमिल भाषा में लिखे गए हैं। इन प्लेटस में राजा राजेंद्र चोल प्रथम और उनके पिता राजा राजराजा चोल प्रथम से जुड़ी जानकारी दर्ज है। ये अभिलेख तमिल और संस्कृत दोनों में लिखे गए हैं। जिनमें प्रशासन, कर लगाना, सिंचाई प्रणाली, समुद्री व्यापार जैसी जानकारी लिखी गई हैं। अभिलेखों में नागापट्टिनम में बौद्ध मठ 'चूड़ामणि विहार' के लिए अनुदान की भी बात लिखी गई है। जो भारत-दक्षिण पूर्व एशिया सांस्कृतिक संबंधों के इतिहास को बताता है। ये पट्टिकाएं 18वीं सदी में डच नियंत्रण वाले नागपट्टिनम क्षेत्र से नीदरलैंड्स ले जाई गई थीं। इस काल में चोल वंश का पहला उल्लेख सम्राट अशोक के शिलालेखों में मिलता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 19वीं सदी में जब यूरोपीय देश भारत और एशिया के दूसरे हिस्सों में व्यापार और रिसर्च कर रहे थे, उसी दौरान ये विदेश ले जाई गईं थीं। डच औपनिवेशिक काल के दौरान ताम्र प्लेटों को नीदरलैंड ले जाया गया और लीडेन यूनिवर्सिटी की एशियाई लाइब्रेरी में संरक्षित रखा गया। इतिहासकार इन्हें चोलों की समुद्री शक्ति और दक्षिण पूर्व एशिया में श्रीविजय साम्राज्य के साथ राजनयिक संबंधों का महत्वपूर्ण सबूत मानते हैं। चोल वंश का शासन 850 ईस्वी से 1279 ईस्वी तक रहा। हालांकि, इसके प्रमाण ईसा पूर्व (300 ईसा पूर्व) भी मिलते हैं। इसकी स्थापना विजयालय ने की थी। प्रधानमंत्री

वट सावित्री व्रत पर सौभाग्यवती स्त्रियों ने रखा व्रत और की वरगद की पूजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वट सावित्री व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों के लिए होता है। यह व्रत आज 16 मई 2026, शनिवार को रखा गया। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को वट सावित्री का व्रत किया जाता है। इस व्रत को करने से सुहागिनों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। जबकि कुंवारी कन्याओं के इस व्रत को करने से उन्हें सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है। इस दिन वट वृक्ष की पूजा करने का विधान है।ऐसा माना जाता है कि जो सौभाग्यवती स्त्री इस दिन वट वृक्ष की पूजा करती है एवं उसकी परिक्रमा करती है उसे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।पौराणिक कथा के अनुसार वट सावित्री व्रत को करके सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। जहां यह व्रत अखंड सौभाग्य देता है वहीं इस व्रत को करने से पितर देव प्रसन्न होते हैं और कुल पर उनका आशीर्वाद बना रहता है।

इस दिन शनिवार अमावस्या का विशेष संयोग है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा करनी चाहिए।वट सावित्री व्रत करने के लिए रक्षा सूत्र, रोली, चंदन, सिंदूर, सुपारी, नारियल, दीपक, कलश, इत्र, लाल वस्त्र, मिष्ठान तथा मौसमी फल रखकर वट वृक्ष के पास भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करनी चाहिए। कच्चा सूत्र लपेटते हुए वट वृक्ष की 108 बार परिक्रमा करनी चाहिए।

सुबह से तरह तरह के पकवान तैयार कर,सोलह श्रृंगार कर बरगद वृक्ष के पास पहुंचकर श्रृंगार का सम्पूर्ण सामग्री अर्पित करतीं हैं,और वृक्ष का परिक्रमा कर समस्त पकवान तथा खरबूजा अर्पित करतीं हैं तथा अपने पति के दीर्घायु होने की कामना करती हैं।

जनपद में अनुदेशकों को बढे हुए मानदेय का डमी चेक देकर किया गया सम्मानित,अनुदेशक केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं - मा0 उद्यान मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को प्रदेश के अनुदेशकों के मानदेय बढ़ोतरी के उपलक्ष्य में अनुदेशक सम्मान समारोह व चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन लोक भवन, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गोपाल सरस्वती इण्टर कॉलेज में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग, उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने प्रतिभाग किया, कार्यक्रम में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता उपस्थित रही। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में जनपद के 18 अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय का डमी चेक वितरित किया गया, इसके साथ ही प्रत्येक विकास खण्ड के 02 एवं नगरीय क्षेत्र कुल 38 अनुदेशकों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मानदेय वृद्धि से जनपद के 547 अनुदेशक

लाभान्वित हुए। मा0 उद्यान मंत्री ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज का यह अवसर अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। हम यहाँ उन अनुदेशकों का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण से समाज को एक नई दिशा दी है। अनुदेशक केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं। आपने कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने का जो कार्य किया है। उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि भी की और उनके सम्मान को उनकी चौखट तक पहुंचाने का भी कार्य किया है, इसी क्रम में आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि अनुदेशकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आप सभी ने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षा की ज्योति जलाए रखी, जिसके लिए आप बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आज जब आपको सम्मानित किया जा रहा हैं, तो यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि आपके समर्पण और सेवा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। यह सम्मान आपको आगे भी और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सम्मान दिलाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है, इसके साथ ही आज मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा अनुदेशकों व उनके परिवार को 05 लाख रुपए तक की कैशलेश चिकित्सा सुविधा दिलाने की भी घोषणा की है, यह अनुदेशकों व उनके परिवार के लिए चिकित्सा सुविधा कवच है। जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश सरकार द्वारा अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी कर सीधे 90000 से बढ़ाकर 17000 रूपये मानदेय किया गया है, अनुदेशकों ने अपने समर्पण, मेहनत और सेवा भाव से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे पूर्व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय डीह, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बाला हरचंदपुर सहित विभिन्न विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपायुक्त एनआरएलएम सविता सिंह, शिवेन्द्र सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी, अनुदेशक आदि उपस्थित रहें।

बसपा की विधान सभा स्तरीय बैठक अमेठी में सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बहुजन समाज पार्टी द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय बैठक अमेठी में बुलाई गई। बैठक का मुख्य विषय सेक्टर बूथ कमेटी रिनीवल हेतु जोन बनाकर जिम्मेदारी दी गई। इसमें उपस्थिति निम्नवत रही - के के आर्या एडवोकेट विधानसभा प्रभारी, रमेश मौर्या जिला संयोजक ओबीसी समाज, बीएसपी तिलोई, दिनेश गौतम जिला पंचायत प्रतिनिधि विधानसभा प्रभारी बीएसपी तिलोई, विजय कुमार गौतम विधानसभा अध्यक्ष तिलोई, ईश्वरी लाल विधानसभा बी. वी. एफ. संयोजक, शिव नायक पासी विधानसभा कोषाध्यक्ष, श्याम लाल विधानसभा सचिव, रोशन लाल बौद्ध सेक्टर अध्यक्ष राजमऊ, गयाप्रसाद सेक्टर महासचिव, डॉ राम लाल एडवोकेट शिव बहादुर भारती सेक्टर अध्यक्ष अलाई पुर दादा साहब राम आदि रहे।

बट सावित्री व्रत पूजन पर महिलाओं ने किया बरगद वृक्ष का पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्थानीय रेलवे स्टेशन के निकट लगभग 400 वर्ष प्राचीन बरगद वृक्ष के नीचे आज हजारों महिलाओं ने बरगद वृक्ष का पूजन किया । शनिवार ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर बरगदाही अमावस्या का पर्व होता है सतयुग में सावित्री द्वारा अपने पति सत्यवान को यमराज के हाथों से इसी दिन मुक्त कराया गया था, सत्यवान बरगद पेड़ के नीचे लेटे थे और यमराज उनके प्राण देने आ गए सावित्री उनका पीछा करते उनके पीछे काफी दूर चली गई तब यमराज ने कहा मैं तुम्हारे पति व्रत से प्रसन्न हूं यमराज ने पुत्रवती होने का वरदान दिया सावित्री ने कहा बिना सत्यवान के पुत्र कैसे संभव है तब यमराज ने सत्यवान को भी जीवित कर दिया। तभी से बरगद वृक्ष का पूजन और बरगद पक्ष के नीचे गुड का गुलगुला बनाकर के जो बरगद के फल की तरह होता है बरगद पेड़ पर चढ़ाया जाता है और पंखा चढ़ाया जाता है आज ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर भगवान शनि देव का जन्म भी हुआ था जो शनिवार को पढ़ने के कारण शनि अमावस्या है आज भगवान शनि देव के दर्शन का भी विधान है इस पूजन के कार्यक्रम में श्रीमती शिशिर शुक्ला, पूजा मधु,, रुद्राशी,बीना पाण्डेय , मंजू सिंह , रेखा श्रीवास्तव ,अनमोल, आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-112 - आपातकालीन सेवा, 1090/1091- महिला सुरक्षा हेल्पलाइन,181- महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन।

व्यापारी सुरक्षा सुदृढ़ीकरण को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में व्यापारियों/सर्राफा व्यापारियों के साथ गोष्ठी सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को कलेक्ट्रेट

सभागार, सोनभद्र में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा सुदृढ़ीकरण के संबंध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, सर्राफा व्यापारियों, उद्यमियों, पेट्रोल पम्प स्वामियों एवं बैंक मित्रों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की गई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। साथ ही व्यापारियों एवं अन्य प्रतिभागियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रयागराज में ई-रिक्शा संचालन पर नई व्यवस्था लागू, कई मार्गों पर प्रतिबंध और डायवर्जन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस के

अंतर्गत प्रयागराज यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से ई-रिक्शा संचालन को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। यह व्यवस्था 21 मई 2026 से एक माह के लिए प्रायोगिक तौर पर लागू की जाएगी। जारी प्रेस नोट के अनुसार शहर के कुछ प्रमुख मार्गों को ई-रिक्शा संचालन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इनमें रामबाग फ्लाईओवर ब्रिज, सिविल लाइन हनुमान मंदिर से सुभाष चौराहा, लक्ष्मी टाकीज चौराहे से पुलिस क्लब चौराहा होते हुए आनंद हॉस्पिटल तक तथा कचहरी से विश्वविद्यालय मार्ग और विश्वविद्यालय से एएन झा मार्ग तक का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा के लिए वैकल्पिक डायवर्जन मार्ग भी निर्धारित किए हैं। तेलियरगंज की ओर से आने वाले ई-रिक्शा अब सिविल लाइन हनुमान मंदिर से फायर ब्रिगेड चौराहा होते हुए नवाब यूसुफ रोड के रास्ते सिविल लाइन रेलवे स्टेशन और हाईकोर्ट की ओर जाएंगे तथा इसी मार्ग से वापस लौटेंगे। वहीं बैरहना और संगम क्षेत्र से आने वाले ई-रिक्शा जीटी जवाहर चौराहा, सीएमपी कॉलेज और मेडिकल चौराहा होते हुए सीएमपी कॉलेज से बाएं मुड़कर डीआरएम ऑफिस के रास्ते सिविल लाइन रेलवे स्टेशन और हाईकोर्ट की ओर संचालित किए जाएंगे। वापसी भी इसी मार्ग से होगी। यातायात विभाग ने सभी ई-रिक्शा चालकों और वाहन स्वामियों से नई व्यवस्था का पालन करने की अपील की है, ताकि शहर में जाम की समस्या कम हो सके और आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा मिल सके।

10 वाहनों पर अवैध ओवरलोडिंग के विरुद्ध हुई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार

को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अन्य जनपदों से आने वाले डम्परों की खनन टास्क फोर्स की टीम जिसमें खनन अधिकारी सुरेश लाकरा द्वारा 17 मई 2026 को बछरावां से लालगंज मार्ग पर 08 व सलोन-रायबरेली पर 02 अवैध खनन/परिवहन/ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 10 वाहनों का ऑनलाइन चालान करते हुए रु0 04 लाख का जुर्माना जमा कराया गया।

उत्तर प्रदेश में आगामी दिनों में लू एवं तीव्र लू चलने की संभावना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान

विभाग, मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा जारी प्रभाव आधारित मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आगामी 21 मई तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में 20 एवं 21 मई को कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा या बौछार पड़ सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है19 मई से कुछ जिलों में भयंकर तीव्र लू चलने की संभावना है- बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, वाराणसी, कानपुर नगर, झांसी, आगरा, इटावा, महोबा सहित अनेक जिलों में लू का प्रभाव अधिक रहने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार तीव्र गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से मजदूरों, किसानों, बुजुर्गों, बच्चों तथा लंबे समय तक धूप में कार्य करने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। जिलाधिकारी महोदय ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि हीटवेव/लू के दौरान सभी नागरिक विशेष सतर्कता बरतें एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। क्या करें :-पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय सिर को टोपी, गमछा या छाते से ढककर रखें। बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। खेतों एवं खुले स्थानों पर कार्य करने वाले श्रमिक समय-समय पर विश्राम करें और छायादार स्थान पर रहें। अत्यधिक गर्मी महसूस होने, चक्कर आने या कमजोरी लगने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। क्या न करें:- दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न निकलें। खाली पेट धूप में कार्य न करें। अधिक देर तक बंद वाहनों में न बैठें। अत्यधिक चाय, कॉफी एवं नशीले पदार्थों का सेवन न करें। बच्चों एवं पालतू पशुओं को धूप में अकेला न छोड़ें। खराब या बासी खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

सड़क दुर्घटना वाले स्थानों का पुलिस एवं संबंधित निर्माण विभाग के अधिकारी संयुक्त भ्रमण करें- कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। सोमवार को सड़क दुर्घटना वाले स्थानों का पुलिस

एवं संबंधित निर्माण विभाग के अधिकारी संयुक्त भ्रमण करें तथा दुर्घटना के कारणों का अध्ययन कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना होने पर संबंधित थाने को अनिवार्य रूप से जानकारी दी जाए। कलेक्टर ने कहा कि अनियंत्रित गति से दो पहिया वाहन चलाने तथा हेलमेट का उपयोग नहीं करने से सड़क दुर्घटना में अधिकतर मौतें होती हैं। जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा जिले के नागरिकों से दो पहिया वाहन का उपयोग करते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की गई। कलेक्टर ने शहडोल नगर के प्रमुख चौराहों जय स्तम्भ चौक, न्यू गांधी चौक से बुढ़ार चौक एवं अन्य चौराहों में पार्किंग की व्यवस्था के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहडोल को निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि सड़क दुर्घटना में जिले में औसतन 20 मौतें प्रतिमाह दर्ज की जाती हैं। जिसका प्रमुख कारण दो पहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट का उपयोग नहीं करना है। आपने कहा कि मुख्य मार्गों में जहां स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं वहां वाहन चालक किनारे से स्पीड के साथ गुजरते हैं और दुर्घटना ग्रस्त होते हैं। सड़क निर्माण विभाग के अधिकारी स्पीड ब्रेकर के दोनो साईड के सोल्डर में बड़े पत्थर लगाकर उन्हें ब्लाक कर दें। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना होने पर गोल्डेन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को राहवीर योजना के तहत 25 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाता है। इसी तरह प्रधान मंत्री राहत योजना के तहत 1.5 लाख रूपए का कैशलेश ट्रीटमेन्ट दिया जाता है। जिले में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं थाना देवलोंद, ब्यौहारी, सोहागपुर, बुढ़ार तथा जैतपुर क्षेत्र में हो रही हैं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री पंकज खरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री आरईएस, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा भण्डारी, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ आशोक सिंह, यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल उपस्थित रहे।

नवचयनित आंगनाबड़ी सहायिकाओं को वितरित किये गये स्मार्ट फोन और नियुक्ति पत्र

प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण एवं बाल विकास के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध - अदिति सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विधानसभा सदर रायबरेली के अंतर्गत नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को

नियुक्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन वितरण

तथा अनुदेशकों का सम्मान व चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा सिविल लाइन स्थित रायबरेली क्लब में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 विधायक सदर अदिति सिंह व मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता द्वारा प्रतिभाग किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मा0 विधायक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सदर विधानसभा क्षेत्र की 21 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा 22 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन प्रदान किए गए एवं 05 अनुदेशकों के बढ़े मानदेय का डमी चेक वितरण किया गया इसके साथ ही 10 अनुदेशकों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विधानसभा सदर के 96 नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिका एवं 411 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन से लाभान्वित हुए, इसी प्रकार सदर विधानसभा के 102 अनुदेशक लाभान्वित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा0 विधायक सदर ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण एवं बाल विकास के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं समाज के नौनिहालों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण तथा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। स्मार्ट फोन उपलब्ध कराए जाने से कार्यों में पारदर्शिता आएगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गति मिलेगी।उन्होंने नवनियुक्त सहायिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सहयोग करें। मा0 विधायक सदर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अनुदेशकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे समाज के बच्चों को शिक्षित करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अनुदेशकों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं महिला एवं बाल विकास योजनाओं के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

स्मार्ट फोन उपलब्ध कराए जाने से कार्यों में पारदर्शिता आएगी तथा योजनाओं की मॉनिटरिंग एवं लाभार्थियों तक सेवाओं की पहुंच और अधिक प्रभावी होगी। कार्यक्रम का संचलान एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, सहायिकाएं, अनुदेशक उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भावपूर्ण विदायी दी गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला कार्यक्रम

अधिकारी के नेतृत्व में महाराजगंज विकास खण्ड सभागार में सेवानिवृत्त 04 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। बीते माह अप्रैल में श्रीमती पुष्पा गिरि, श्रीमती दमयंती अवस्थी, श्रीमती देववती अवस्थी व श्रीमती मिथलेश सिंह का सेवानिवृत्त हुआ थी, जिनके सम्मान में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार और सहयोगी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सुपरवाइजरों ने बड़ा भावपूर्ण आयोजन किया। सेवानिवृत्त कार्यकत्रियों के कार्य एवं व्यवहार की प्रशंसा करते हुए विनय कुमार ने कहा कि इन लोगों द्वारा बड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ कार्य करतीं थी,हम सभी लोगों को भविष्य में इनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में पधारे पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन के संरक्षक अनूप मिश्रा ने पहली बार किये गये इस आयोजन की प्रशंसा की तथा इस पर आक्रोश व्यक्त किया कि सेवानिवृत्त के समय इन कार्यकत्रियों को जो सम्मान सरकार से मिलना चाहिए वह नहीं मिला,उनके पेंशन दिलाये जाने हेतु जिले स्तर पर कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया। समारोह को पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के सचिव राजेश कुमार पांडेय ने भी सेवानिवृत्त कार्यकत्रियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। सेवानिवृत्त कार्यकत्रियों को अंगवस्त्र, मोमेंटो,जाता, मिठाई आदि देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त कार्यकत्रियां इस सम्मान से अविभूत थीं और माहौल काफी गमगीन रहा अन्त में जिला अध्यक्ष मीना सोनकर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व हिंदू महासंघ संगठन में महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी को बड़ी जिम्मेदारी,बनीं क्षेत्रीय महामंत्री,योगी सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगी किरन नंदगिरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विश्व हिंदू महासंघ संगठन

द्वारा संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण नियुक्तियां की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी को विश्व हिंदू महासंघ संगठन के किन्नर प्रकोष्ठ का क्षेत्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से संगठन के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह और खुशी का माहौल है। यह नियुक्ति विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति तथा किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किरन की संस्तुति पर की गई। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगी। नवनियुक्त क्षेत्रीय महामंत्री महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी ने नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के विचारों और जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकारों, शिक्षा, सम्मान और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि विश्व हिंदू महासंघ संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गांव-गांव और शहर-शहर कार्यकर्ताओं को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा, जिससे संगठन की आवाज को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बढ़ सावित्री अमावस्या पर श्री राणी सती दादी मंदिर में भव्य कीर्तन एवं मातृत्व दिवस समारोह आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। बढ़ सावित्री अमावस्या के अवसर पर शनिवार को श्री राणी सती दादी मंदिर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भव्य

धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं द्वारा विधि-विधान से बढ़ सावित्री पूजा संपन्न की गई, जिसके पश्चात श्री राणी सती दादी का भव्य कीर्तन आयोजित हुआ। यह आयोजन श्रीमती करुणा अग्रवाल (बीएफसी) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कीर्तन के दौरान महिलाओं ने भक्ति गीतों एवं भजनों के माध्यम से दादी के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम के अंतर्गत मातृत्व दिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी महिलाओं ने केक काटकर इस विशेष अवसर को उत्सव के रूप में मनाया। साथ ही, स्वर्गीय श्रीमती मीना अग्रवाल को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया, जो दादी भक्त महिला मंडल की प्रथम सदस्य थीं और जिन्होंने इस समूह की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी स्मृति में उनकी बहू स्वाती अग्रवाल को महिला मंडल की ओर से सम्मानित किया गया। श्री राणी सती दादी भक्त महिला मंडल की अध्यक्ष एडवोकेट अनीता थरड ने कहा कि मंडल भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाजसेवा करता रहेगा। वहीं मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती मीरा जालान ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हमारा दादी भक्त महिला मंडल निरंतर नए एवं प्रेरणादायक कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम का समापन महिलाओं के बीच नाश्ता, प्रसाद, केक एवं कोल्ड ड्रिंक वितरण के साथ हुआ।इस अवसर पर शीला जैन, सुनीता साँवरिया, उषा जालान, सुमन केजरीवाल, सुषमा शर्मा, बाबी जालान, एकता केजरीवाल, रेखा चौधरी, सोनी गुप्ता, बबली केजरीवाल, चाँदनी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रितु जालान, अनीता कानोडियाँ, सुनीता साराफ, रुचि साँवरिया, रेनु केजरीवाल, ज्योति शर्मा, पायल गोयल, नीलम अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सोनभद्रः पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (उत्तर प्रदेश) सोनभद्र। जिला कांग्रेस

कमेटी सोनभद्र ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई और ईंधन की कीमतों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय लोढ़ी पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भेजकर बढ़ी हुई कीमतें तुरंत वापस लेने की मांग की। महंगाई से आम जनता बेहाल-जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, और घरेलू व व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडरों के दामों में लगातार बेतहाशा वृद्धि की जा रही है। इससे परिवहन महंगा हो गया है और दैनिक उपभोग की हर वस्तु के दाम आसमान छू रहे हैं। महंगाई की इस मार से गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग का जीना दूभर हो गया है। छोटे दुकानदार और ठेला-खोमचा लगाने वाले लोग भी इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हैं। कांग्रेस ने रखी प्रमुख मांगें-कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग करते हुए निम्नलिखित बिंदु सामने रखे हैं:- पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए। घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दाम कम कर आम जनता को राहत दी जाए।देश में बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए एक ठोस नीति बनाकर उसे अविलंब लागू किया जाए। इस प्रदर्शन और ज्ञापन पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड सहित कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि सरकार ने बढ़ती कीमतों पर जल्द ही लगाम नहीं लगाई, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित शहर अध्यक्ष फरीद अहमद जी, नि. प्रदेश सचिव जितेन्द्र पासवान, नि. प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष श्री बृजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष राजबली पांडे, जिला उपाध्यक्ष शारद पनिका, जिला उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी, जिला महासचिव प्रवक्ता इनामुल हक अंसारी, पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी,पी सी सी सदस्य आशुतोष कुमार दुबे,आरटीआई जिला चेयरमैन श्रीकांत मिश्रा, मजदूर कामगार जिलाध्यक्ष तामेश्वर तिवारी, पिछड़ा प्रकोष्ठ कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश यादव,जिला महासचिव दयाशंकर पांडे, जिला महासचिव जूयत मौर्या, शहर उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, शहर महासचिव शंकर भारतीय, यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, यूथ कांग्रेस जिला महासचिव, जिला सचिव पंकज मिश्रा, जिला सचिव मंजू देवी,ब्लॉक अध्यक्ष लल्लू राम पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडे, अशोक यादव,मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी, मंडल अध्यक्ष राजीव मौर्य, रोजनी, दयाराम प्रजापति, रामरूप शुक्ला,सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस

अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वकीलों पर नहीं, बल्कि संविधान और न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है, जगजीवन सिंह

लखनऊ में वकीलों पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किए जाने का मामला,रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डीबीए सभागार में वकीलों ने आपात बैठक कर की निंदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट

बार एसोसिएशन, सोनभद्र के सभागार में सोमवार को वकीलों की एक आपात बैठक हुई, जिसमें लखनऊ में वकीलों पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक की गई लाठीचार्ज की घटना की निंदा की गई।साथ ही घटना की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने के साथ ही दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की रीढ़ है। लखनऊ में अपनी जायज मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे वकीलों पर जिस प्रकार बर्बरता से लाठियां बरसाई गईं, वह अत्यंत शर्मनाक है। यह केवल वकीलों पर नहीं, बल्कि संविधान और न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है। सोनभद्र का प्रत्येक अधिवक्ता इस घटना से स्तब्ध और आक्रोशित है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीके सिंह एडवोकेट ने कहा कि लखनऊ में वकीलों के ऊपर पुलिस द्वारा की गई बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, साथ ही दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उपाध्यक्ष संतोष कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि पुलिस का यह कृत्य तानाशाहीपूर्ण और अलोकतांत्रिक है। सरकार को तत्काल संज्ञान लेते हुए दोषी पुलिसकर्मियों एवं आदेश देने वाले अधिकारियों को निलंबित कर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। साथ ही घायल अधिवक्ताओं का समुचित दवा इलाज की व्यवस्था की जाए। बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व संचालन पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से अधिवक्ता राजेश कुमार यादव, पवन कुमार सिंह, रियाज खान, विनीत श्रीवास्तव, रामगुल्ली यादव, टीटू कुमार गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, कामता प्रसाद यादव, आदर्श देव पांडेय,सुरेश सिंह कुशवाहा, नवीन पांडेय, विनीता, चंद्रकला गिरी, सरस्वती देवी आदि मौजूद रही।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक ठंडक नहीं देते बल्कि शरीर को गर्म करते हैं, डॉक्टर से समझें साइंस, ठंडक के लिए ये 11 चीजें खाए

लखनऊ। गर्मियों में लोग तेज धूप, पसीना और थकान से राहत

के लिए इंस्टेंट कूलिंग देने वाली चीजें खाना-पीना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस और आइसक्रीम लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो चीजें तुरंत ठंडक देती हैं, वे असल में सेहत को नुकसान भी पहुंचाती हैं। कई 'कूलिंग फूड्स' डिहाइड्रेशन, डाइजेस्टिव इश्यू, मोटापा और डायबिटीज का रिस्क बढ़ाते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि कौन से समर कूलिंग फूड सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। साथ ही जानेंगे कि-इनके हेल्दी विकल्प क्या हैं? गर्मियों में खाने से जुड़ी क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- ऐसे कौन से फूड हैं, जो गर्मियों में कूलिंग तो देते हैं, लेकिन असल में नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- कई ऐसे समर फूड और ड्रिंक्स हैं, जो 'टेम्परेरी कूलिंग' का एहसास देते हैं। लेकिन ये बॉडी टेम्परेचर इम्बैलेंस, डिहाइड्रेशन, शुगर स्पाइक और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ाते हैं। नीचे ऐसे फूड की लिस्ट देखिए- बॉडी को ठंडा नहीं करते कूलिंग फूड- कार्बोनेटेड शुगरी ड्रिंक्स, सोडा, पैकेज जूस, सॉफ्ट ड्रिंक्स, आइसक्रीम, फ्लेवर्ड योगर्ट, बर्फ का गोला, बर्फ वाला पानी। कार्बोनेटेड ड्रिंक्सः- हमें क्या लगता है? तुरंत एनर्जी और रिफ्रेशमेंट

मिलता है। गर्मी में अच्छा कूलिंग ऑप्शन है। प्यास शांत हो जाती है। असल में क्या होता है? ब्लड शुगर तुरंत स्पाइक होता है और इंसुलिन तेजी से रिलीज होता है। इससे थोड़ी देर बाद एनर्जी क्रैश और थकान हो सकती है। इसमें मौजूद कैफीन से डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसमें मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड गैस से ब्लोटिंग, डकार और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। हाई शुगर और कैफीन शरीर के इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को प्रभावित कर सकते हैं। फ्लेवर्ड/शुगरी ड्रिंक्सः- हमें क्या लगता है? हेल्दी और टेस्टी ड्रिंक है। एनर्जी बढ़ाता है। हाइड्रेशन देता है। असल में क्या होता है? इसमें मौजूद आर्टिफिशियल फ्लेवर और कलर शरीर पर केमिकल लोड बढ़ा सकते हैं। ज्यादा शुगर और प्रोसेस्ड इंग्रेडिएंट्स लिवर पर एक्स्ट्रा प्रेशर डाल सकते हैं। तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाता है, जिससे इंसुलिन स्पाइक और फैट स्टोरेज बढ़ सकता है। लंबे समय में मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस और अन्य मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स का रिस्क बढ़ता है। चिल्ड सोडाः- हमें क्या लगता है? पेट हल्का रहेगा। तुरंत ठंडक मिलेगी। गर्मी में राहत देगा। डाइजेशन बेहतर होगा। हैवीनेस खत्म करेगा। असल में क्या होता है? कार्बन डाइऑक्साइड गैस पेट में ब्लोटिंग बढ़ाती है। एसिडिटी और रिफ्लक्स की समस्या बढ़ सकती है। बार-बार लेने से डाइजेशन एंजाइम्स का बैलेंस बिगड़ सकता है। मिनरल एब्जॉर्प्शन (जैसे कैल्शियम) प्रभावित हो सकता है। अस्थायी राहत के बाद असहजता हो सकती है। पैकेज़्ड फूड़ः- हमें क्या लगता है? फ्रूट बेस्ड है, इसलिए हेल्दी है। विटामिन्स की पूर्ति करता है। बच्चों के लिए अच्छा विकल्प है। ताजगी देता है। असल में क्या होता है? इसमें एडेड शुगर/ कंसंट्रेटेड शुगर ज्यादा होती है, जो इसे हाई कैलोरी ड्रिंक बनाती है।

हाई शुगर कंटेंट के कारण ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। प्रिजर्वेटिव्स और अल्ट्राप्रोसेसिंग से न्यूट्रिएंट्स कम हो जाते हैं। ज्यादा पीने से फैटी लिवर और मोटापे का रिस्क बढ़ता है। सॉफ्ट ड्रिंक्सः- हमें क्या लगता है? गर्मी के लिए सस्ता कूलिंग ऑप्शन है। कभी-कभार लेने से नुकसान नहीं होता है। बॉडी हाइड्रेटेड रखता है। असल में क्या होता है? इसमें मौजूद 'हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप' शरीर में फैट स्टोरेज बढ़ा सकता है। इसमें मौजूद कैफीन डिहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ा सकता है। सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद एसिड और हाई शुगर दांतों के

इनेमल कमजोर कर सकते हैं। ज्यादा लेने से इंसुलिन रेजिस्टेंस का रिस्क बढ़ता है। कैफीन के कारण लत लग सकती है। हमें क्या लगता है? शरीर को तुरंत ठंडक देती है। गर्मी में तुरंत राहत देती है। मूड अच्छा करती है। बच्चों के लिए सेफ ट्रीट है। असल में क्या होता है? ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है। हाई शुगर और सैचुरेटेड फैट से कैलोरी ओवरलोड हो सकता है। इससे मोटापे का रिस्क बढ़ता है। गले की म्यूकोसल लाइनिंग (गले की अंदरूनी प्रोटेक्टिव लेयर) को

प्रभावित कर सकती है। इससे गले में खराश और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ता है। हाई फैट और शुगर कंटेंट के कारण पाचन प्रक्रिया धीमी हो सकती है। फ्लेवर्ड योगर्ड हमें क्या लगता है? दही है, इसलिए कूलिंग और हेल्दी है। प्रोबायोटिक फायदा मिलेगा। बच्चों के लिए अच्छा है। हल्का और पौष्टिक है। वजन कंट्रोल में मदद करेगा। असल में क्या होता है? एडेड शुगर ज्यादा होती है, जिससे कैलोरी और शुगर इनटेक बढ़ सकता है। प्रोसेसिंग और शुगर इसका प्रोबायोटिक बैलेंस प्रभावित कर सकते हैं। इसमें मौजूद फ्लेवरिंग एजेंट्स और एडिटिव्स न्यूट्रिशनल क्वालिटी कम कर सकते हैं। अतिरिक्त कैलोरी और शुगर से वजन बढ़ सकता है। बर्फ का गोला-हमें क्या लगता है? दही है, इसलिए कूलिंग और हेल्दी है। प्रोबायोटिक फायदा मिलेगा। बच्चों के लिए अच्छा है। हल्का और पौष्टिक है। वजन कंट्रोल में मदद करेगा। असल में क्या होता है? एडेड शुगर ज्यादा होती है, जिससे कैलोरी और शुगर इनटेक बढ़ सकता है। प्रोसेसिंग और शुगर इसका प्रोबायोटिक बैलेंस प्रभावित कर सकते हैं। इसमें मौजूद फ्लेवरिंग एजेंट्स और एडिटिव्स न्यूट्रिशनल क्वालिटी कम कर सकते हैं। अतिरिक्त कैलोरी और शुगर से वजन बढ़ सकता है। बर्फ वाला पानी-हमें क्या लगता है? प्यास जल्द शांत होती है। गर्मी से तुरंत राहत मिलती है। ज्यादा ठंडा पानी मतलब ज्यादा हाइड्रेशन है। पसीना कम होता है। थकान दूर होती है। असल में क्या होता है? कोर बॉडी टेम्परेचर प्रभावित होता है। इसे बैलेंस करने के लिए बॉडी को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। बहुत ठंडे पानी से पेट की ब्लड वेसल्स सिकुड़ सकती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है। गले की म्यूकोसल लाइनिंग को प्रभावित कर सकता है। इससे गले में खराश और इन्फेक्शन हो सकता है। सवाल- कैसे समझें कि कोई फूड शरीर को ठंडक पहुंचाता है या नहीं? इनर कूलिंग के लिए क्या खाना चाहिए? जवाब- असली कूलिंग फूड वही है, जो शरीर के अंदर तापमान संतुलित रखे, पाचन को सपोर्ट करे और पर्याप्त हाइड्रेशन दे। इन पॉइंटर्स से इसे पहचान सकते हैं- ऐसी चीज, जो प्राकृतिक हो। यानी जिसे फूड इंडस्ट्री नहीं बनाती। जो किसी कंपनी का प्रोडक्ट नहीं है। जो पैकेज्ड नहीं है। जो खेतों में उगा है। जो हजारों किलोमीटर दूर नहीं पैदा हुआ। हमारे आसपास ही उसकी पैदावार होती है। हमारी भाषा में उसके लिए शब्द है। हमारे पुरखे उसे खाते रहे हैं। सवाल- कौन से फूड गर्मियों में शरीर को प्राकृतिक रूप से ठंडा रखते हैं? जवाब- हमारे आसपास पैदा होने वाले पानी से भरपूर और हल्के फूड शरीर को अंदर से ठंडा रखते हैं और डिहाइड्रेशन से बचाते हैं। सवाल- गर्मियों में खानपान को लेकर क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- सही खानपान गर्मियों में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और पाचन समस्याओं से बचाता है। आमतौर पर एक व्यक्ति को दिनभर में 2.5 से 3.5 लीटर पानी पीना चाहिए। मौसम, एक्सरसाइज और हेल्थ के हिसाब से जरूरत कम-ज्यादा हो सकती है।

पल्मोनरी एम्बॉलिज्म से प्रतीक यादव की मौत,जानें क्या है ये बीमारी, बचाव के लिए जरूरी सावधानियां

कानपुर। हाल ही में 38 साल की उम्र में प्रतीक यादव का निधन हो गया। वह दिवंगत नेता और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे थे। डॉक्टर्स ने उनकी मौत की वजह 'पल्मोनरी एम्बॉलिज्म' बताई है। इस कंडीशन में फेफड़ों की नसें ब्लॉक हो जाती हैं और हार्ट फेल हो जाता है। 'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' और 'अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी' की गाइडलाइन 2026 के मुताबिक, पल्मोनरी एम्बॉलिज्म वस्कुलर (नसों से जुड़ी बीमारी) डेथ का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। साल 2024 में 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक ऑटोप्सी बेस्ड भारतीय स्टडी के मुताबिक, अस्पताल में भर्ती मरीजों में करीब 16फीसदी मौतों की मुख्य वजह 'पल्मोनरी एम्बॉलिज्म' पाई गई। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में जानेंगे कि- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म क्या है? किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? विषय को और समझेंगे सोर्स- डॉ. संदीप कटियार, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म क्या है? जवाब- यह एक गंभीर हेल्थ कंडीशन है, जिसमें फेफड़ों की आर्टरीज में अचानक ब्लॉकेज हो जाता है और ब्लड सप्लाई प्रभावित होती है। इसमें शरीर के किसी हिस्से (ज्यादातर पैर की नसों) में बना ब्लड क्लॉट टूटकर खून के साथ फेफड़ों तक पहुंच जाता है। यह पल्मोनरी आर्टरी को ब्लॉक कर देता है। ज्यादतर मामलों में डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) के कारण पैर की नसों में बने ब्लड क्लॉट ही फेफड़ों में जाकर ब्लॉकेज

की वजह बनते हैं। सवाल- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म और डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) में क्या संबंध है?जवाब- डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) और पल्मोनरी एम्बॉलिज्म का सीधा कनेक्शन है। पॉइंटर्स से समझते हैं- डीवीटी एक हेल्थ कंडीशन है, जिसके कारण शरीर की नसों (अक्सर पैरों) में ब्लड क्लॉट बनते हैं। अगर ये क्लॉट वहीं बना रहे तो डीवीटी रहता है, लेकिन जब यही क्लॉट टूटकर ब्लड के साथ फेफड़ों तक पहुंच जाता है और वहां की नस को ब्लॉक कर देता है, तो इसे पल्मोनरी एम्बॉलिज्म कहते हैं। यानी ज्यादातर मामलों में पल्मोनरी एम्बॉलिज्म की शुरुआत डीवीटी से ही होती है। इसलिए डीवीटी को समय पर पहचानना और इलाज करना बहुत जरूरी होता है। सवाल- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म होने पर क्या संकेत दिखते हैं? जवाब- ज्यादातर मामलों में इसके संकेत अचानक नजर आते हैं। इन्हें नजरअंदाज करना जानलेवा हो सकता है। पल्मोनरी एम्बॉलिज्म के संकेतः-बेहोशी, अचानक सांस फूलना, हार्टबीट तेज होना, चक्कर आना, सीने में तेज दर्द, तेजी से सास चलना, होंठ या नाखून नीले पड़ना, स्किन का पीला / नीला पड़ना, एक पैर में सूजन, दर्द या लालिमा, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस लेना। सवाल- डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) के संकेत क्या हैं? जवाब- इसके शुरुआती संकेत कई बार हल्के होते हैं, लेकिन इन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। पॉइंटर्स में देखिए-पैर में सूजन (अक्सर एक पैर में)।पैर में दर्द या ऐंठन, खासकर पिंडली (काल्फ) में। नसें को उभरना। स्किन या उभरी नसों का लाल या नीला पड़ना। स्किन सामान्य से ज्यादा गर्म रहना। नसों के आसपास मसल्स टाइट होना। भारीपन महसूस होना। चलने या खड़े होने पर दर्द बढ़ना। सवाल- अगर डीवीटी के संकेत दिखें तो क्या तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? जवाब- हां। इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि यह ब्लड क्लॉट टूटकर फेफड़ों तक पहुंच सकता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है या रुक सकता है। सवाल- यह ब्लड क्लॉट फेफड़ों तक कैसे पहुंच जाता है? जवाब- नसों में बने क्लॉट कभी-कभी टूट जाते हैं। ये ब्लड के साथ बहते हुए नसों के जरिए हार्ट तक पहुंचते हैं। हार्ट जब ब्लड को पंप करता है तो ये क्लॉट्स फेफड़ों की आर्टरीज में भी पहुंच जाते हैं। सवाल- शरीर में ब्लड क्लॉट बनता कैसे है? जवाब- शरीर में ब्लड क्लॉट बनना एक सामान्य और नेचुरल प्रोसेस है। यह बॉडी का खुद को प्रोटेक्ट करने का एक मैकेनिज्म है। शरीर में कहीं चोट या कट लगने पर ब्लड रोकने के लिए बॉडी क्लॉट्स बनाती है। समस्या तब होती है, जब चोट के बिना ही नसों के अंदर ब्लड क्लॉट बनने लगते हैं। ज्यादातर मामलों में यह डीवीटी जैसी कंडीशन के कारण होता है। सवाल- ब्लड क्लॉटिंग कहां-कहां हो सकती है? जवाब- बॉडी में ब्लड वेसल्स का करीब 60,000 मील लंबा नेटवर्क होता है। इसमें कहीं भी ब्लड क्लॉट बन सकता है। इसके लक्षण क्लॉट के प्रकार और ऑर्गन्स के मुताबिक बदल सकते हैं। पैर (डीवीटी)- यह सबसे कॉमन है। इसमें पैरों की गहरी नसों में क्लॉट बनता है। फेफड़े- फेफड़ों में ब्लड क्लॉट फंस जाता है। इससे ऑक्सीजन की सप्लाई प्रभावित होती है। जिस कारण पल्मोनरी एम्बॉलिज्म हो सकता है। हार्ट- हार्ट आर्टरीज में क्लॉट बनता है। इससे हार्ट अटैक हो सकता है। ब्रेन- ब्रेन की नस में क्लॉट बनने पर स्ट्रोक हो सकता है। आंत/किडनी (रेयर)- ब्लड की सप्लाई रुकने से ऑर्गन्स डैमेज हो सकते हैं। सवाल- क्या यह अचानक होने वाली बीमारी है? जवाब- नहीं, ज्यादातर मामलों में इसकी शुरुआत पहले से शरीर में बने ब्लड क्लॉट (अक्सर पैरों की नसों में) से होती है, जो बाद में टूटकर फेफड़ों तक पहुंच जाता है। सवाल- क्या यह हमेशा जानलेवा होती है? जवाब- इसकी गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि क्लॉट कितना बड़ा है। आमतौर पर छोटे क्लॉट दवाओं से ठीक हो जाते हैं। इनके रहते हुए भी ब्लड फ्लो होता रहता है। अगर क्लॉट बड़ा है तो यह नस के बड़े हिस्से को ब्लॉक कर सकता है। फेफड़ों में पहुंचा तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। सवाल- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म के रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- पल्मोनरी एम्बॉलिज्म का खतरा कुछ खास स्थितियों और लाइफस्टाइल फैक्टर्स में ज्यादा बढ़ जाता है। 'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' और 'अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी' के मुताबिक, इन रिस्क फैक्टर्स की पहचान समय पर करना बेहद जरूरी है। पल्मोनरी एम्बॉलिज्म के रिस्क फैक्टर्सः- उम्र (40प्लस साल) कोई बड़ी सर्जरी गंभीर चोट (ट्रॉमा) प्रेग्नेंसी, डिलीवरी के बाद के 6 हफ्ते, गर्भनिरोधक गोलियां लेना, एस्ट्रोजेन थेरेपी लेना, हॉस्पिटलाइजेशन, मोटापा,(बीएमआई 30 या ज्यादा) कैंसर धूम्रपान एथेरोस्क्लेरोसिस ब्लड क्लॉटिंग डिसऑर्डर (थ्रॉम्बोफीलिया) सवाल- इसका इलाज कैसे होता है? जवाब- इसके ट्रीटमेंट का मकसद लंग्स के ब्लड क्लॉट को खत्म करना और नए क्लॉट बनने से रोकना होता है। इसके लिए दवाएं दी जाती हैं। कुछ मामलों में सर्जरी की जरूरत हो सकती है। टीकोआगुलेंट्स ये दवाएं ब्लड को पतला रखती हैं। इससे क्लॉटिंग बढ़ती नहीं है। क्लॉटिंग को धीरे-धीरे खत्म कर देती हैं। थ्रोम्बोलाइसिस इसमें दवाएं नस या कैथेटर(एक पतली ट्यूब है जिससे दवा सीधे नस में दी जाती है) के जरिए दी जाती हैं। ये ब्लड क्लॉट को घोल देती हैं। आमतौर पर जब ब्लड थिनर्स पर्याप्त न हों या स्थिति गंभीर हो तब इस्तेमाल होता है। एम्बोलेक्टॉमी-इस प्रोसेस में ऑपरेशन करके लंग्स से क्लॉट निकाल दिया जाता है। इन्फीरियर वेना कावा फिल्टरः-इसमें पेट की नस में एक छोटा डिवाइस लगाया जाता है। यह क्लॉट को लंग्स तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लेता है। सवाल- लाइफस्टाइल की कौन सी आदतें या गलतियां ब्लड क्लॉटिंग का रिस्क बढ़ाती हैं? जवाब- रोजमर्रा की कुछ गलत आदतें ब्लड फ्लो धीमा कर देती हैं और क्लॉट बनने का खतरा बढ़ा सकती हैं। जैसे- स्मोकिंग,कम पानी पीना,सिडेंटरी लाइफस्टाइल, लो फिजिकल एक्टिविटी, अनहेल्दी डाइट लेना (ज्यादा फैट और प्रोसेस्ड फूड), शराब पीना,रोज 7-8 घंटे की नींद पूरी न करना, बिना डॉक्टर सलाह के हॉर्मोनल दवाएं लेना। सवाल- हेल्दी ब्लड फ्लो के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- ब्लड का सही फ्लो बॉडी के हर अंग तक ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाने के लिए जरूरी है। खराब लाइफस्टाइल से ब्लड क्लॉट और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- कौन-से फूड ब्लड क्लॉटिंग का रिस्क कम करते हैं? जवाब- कुछ फूड्स ब्लड थिनर का काम करते हैं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे ब्लड क्लॉट बनने का खतरा कम हो सकता है।

धोनी एनएसजी कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे, मशीनगन चलाई,पिस्टल से निशाना भी लगाया,कमांडोज से पूछा- फिट लग रहा हूं न

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। 44 साल के धोनी ने यहां कमांडोज और उनके परिवारों के साथ समय बिताया। उनके साथ खाना खाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा- 'फिट लग रहा हूं न।' इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा- 'पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे।' तब धोनी ने कहा- 'जैसे-जैसे टाइम बढ़ता है, मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है।' वे 2023 में एनएसजी कैंप में शामिल हो चुके हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। हालांकि, वे काफ स्ट्रेन (पिंडली की चोट) के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। आज सीएसके चेन्नई में अपना आखिरी मैच खेलेगी। एमएस धोनी टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। वे पैराशूट रेजीमेंट की 106 पैरा टेरिटोरियल आर्मी बटालियन का

हिस्सा हैं। उन्होंने कश्मीर में भारतीय सेना के साथ दो हफ्ते की ट्रेनिंग भी की। बाद में उनका बूट पॉलिश करते हुए फोटो भी सामने आया था। धोनी और सैन्य बलों का पुराना नाता-2011: टेरिटोरियल आर्मी की पैराशूट रेजीमेंट में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया। 2015: आगरा में सैन्य एयरक्राफ्ट से 5 अनिवार्य जंप पूरी कर क्वालिफाइड पैराट्रूपर बने। 2018: जब राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण सम्मान मिला तो धोनी सेना की यूनिफॉर्म पहनकर मार्च करते हुए अवॉर्ड लेने पहुंचे। 2019: वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से ब्रेक लेकर जम्मू-कश्मीर में 106 इन्फैंट्री बटालियन के साथ 2 हफ्ते बिताए, जहां उन्होंने गार्ड ड्यूटी और पेट्रोलिंग भी की। क्या हैदराबाद के खिलाफ खेलेंगे धोनी? चेन्नई को आज सनराइजर्स हैदराबाद के साथ चेपक स्टेडियम में खेलना है। उम्मीद लगाई जा रही है कि धोनी इसमें खेल सकते हैं। हालांकि, अभी तक धोनी और चेन्नई के मैनेजमेंट की तरफ से इस तरह के कोई संकेत नहीं आए हैं। फ्रेंचाइजी की ओर से कहा गया था कि वे फिर से चोटिल हो गए और इसकी वजह से खेलने में देरी हो रही है।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत,दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था- म्वेजो। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटर्मिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात जैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'एन्टीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं।, धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं।, निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अवसर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए ऐसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उनके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

परीक्षा-प्रणाली पर भरोसे का डगमगाना एक बड़ी त्रासदी है

3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा (देशभर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए केंद्रीय परीक्षा) का पेपर लीक होने के बाद उसे रद्द किया जाना लाखों छात्रों और उनके परिवारों के लिए किसी गहरे आघात से कम नहीं है। इन छात्रों और उनके परिवारों ने महीनों, बल्कि वर्षों तक अपनी जिंदगी को इस उम्मीद में थाम रखा था कि यह एक परीक्षा उनके लिए बेहतर भविष्य का दरवाजा खोलेगी। हालांकि नई परीक्षा 21 जून को होना तय की गई है, लेकिन इस कैंसलेशन का असर लगातार गहराता जा रहा है। अब तक कम से कम तीन अभ्यर्थी आत्महत्या कर चुके हैं, जबकि हजारों अन्य मानसिक अवसाद से जूझ रहे हैं। उनके सामने फिर से चिंता, अनिश्चितता और कठोर पढ़ाई का एक और दुष्चक्र खड़ा हो गया है। सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं और अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह लीक अब अनेक शहरों में फैले घोटाले का रूप लेता दिख रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहते हुए परीक्षा रद्द करने को उचित ठहराया कि सरकार नहीं चाहती योग्य छात्रों को तकलीफें उठानी पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि अगले वर्ष से नीट-यूजी पेन-एंड-पेपर प्रणाली के बजाय कंप्यूटर पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, और जो छात्र री-एग्जाम में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें परीक्षा-फीस लौटाई जाएगी। लेकिन 3 मई को परीक्षा देने वाले अनुमानित 22.05 लाख छात्रों के लिए परीक्षा-शुल्क इतना मायने नहीं रखता। देश की प्रतिस्पर्धी परीक्षा-व्यवस्था छात्रों और उनके परिवारों से कमरतोड़ कीमत वसूलती है। अभी-अभी किशोरावस्था से बाहर आए लड़के-लड़कियों को कोटा, सीकर, प्रयागराज जैसे शहरों की 'कोचिंग फैक्ट्रियों' में भेज दिया जाता है।वे दोस्तों से दूर हो जाते हैं, उनकी दिनचर्या बिगड़ जाती है और वे शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य-समस्याओं से जूझते हैं। वे सफल होने की उम्मीद में घंटों पढ़ाई में जुटे रहते हैं। यह महीनों, कभी-कभी वर्षों तक चलता रहता है और अभ्यर्थी अपने सपनों की परीक्षा पास करने के लिए खुद को टूटने की कगार तक धकेल देते हैं। विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को मेडिकल कॉलेज या किसी आईआईटी में भेजने का सपना पालते हैं और उसके लिए किसी भी त्याग को तैयार रहते हैं। वे इन कोचिंग संस्थानों की फीस और बच्चों के रहने-खाने के खर्च के लिए अपनी जीवनभर की बचत दांव पर लगा देते हैं। अकसर वे अपने दूसरे बच्चों की शादियां टाल देते हैं, घर की मरम्मत का काम रोक देते हैं, यहां तक कि अपना इलाज भी टाल देते हैं, इस उम्मीद में कि उनके बच्चे एक दिन योग्य डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे या कोई प्रतिष्ठित नौकरी हासिल करेंगे। एनटीए की स्थापना 2018 में इस उद्देश्य से की गई थी कि सरकारी संस्थानों में इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे प्रमुख पेशेवर पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का संचालन केंद्रीकृत किया जा सके। एनटीए जिन परीक्षाओं का आयोजन करती है, उनमें आईआईटी के लिए जेईई (मेन), नीट-यूजी, सीयूईटी-यूजी, यूजीसी-नेट और सीएसआईआर-नेट जैसी परीक्षाएं शामिल हैं। लेकिन पेपर लीक और परीक्षाओं के रद्द होने से जुड़े विवादों ने उसके रिकॉर्ड को लगातार दागदार किया है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2024 में संसद को दिए आंकड़ों के अनुसार यद्यपि एनटीए ने 240 परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं, लेकिन उसी अवधि तक उसे प्रतिष्ठित पदों और प्रवेशों से जुड़ी कम से कम 16 महत्वपूर्ण परीक्षाएं स्थगित भी करनी पड़ी थीं। 2025 में शिक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने पाया कि 2024-25 की अवधि में एनटीए द्वारा आयोजित 14 प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से कम-से-कम पांच को पेपर लीक और परिणामों के संकलन में त्रुटियों जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। उदाहरण के लिए, जेईई (मेन) 2025 में अंतिम उत्तर-कुंजी में पाई गई गलतियों के कारण 12 प्रश्नों को वापस लेना पड़ा था। सबसे गंभीर बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब नीट-यूजी किसी घोटाले में घिरी हो। 2024 में भी पेपर लीक हुआ था। उस वर्ष मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, (ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

सबसे कटकर नहीं जुड़कर भी बन सकते हैं आत्मनिर्भर

पहले भारतीय बाजार अपने में बंद और अलग-थलग हुआ करता था, लेकिन अब वह वैश्विक व्यापार का अग्रदूत बनता जा रहा है। भारत के बाजार का यह रूपांतरण शायद 21वीं सदी की विश्व-अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव है। देश ने एक बंद, रक्षात्मक आर्थिक रुख से हटकर बाहर की दुनिया पर नजर रखने वाले, वैश्विक रूप से आक्रामक रवैये को अपनाया है। जो देश कभी वैश्वीकरण का हिचकिचाता हुआ सहभागी हुआ करता था, वो अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को आकार

देने वाली एक आत्मविश्वास से भरी शक्ति बन गया है। दशकों तक भारतीय बाजार लाइसेंस-परमिट-कोटा राज से परिभाषित होता रहा था। यह नौकरशाही की जकड़न और भारी शुल्क की घुटन भरी व्यवस्था थी, जिसे विदेशी पूंजी के कथित शोषण से घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए रचा गया था। आजादी के बाद की अधिकांश अवधि के दौरान, भारत की आर्थिक रणनीति आत्मनिर्भरता, आयात सब्स्टिट्यूशन (दूसरों से खरीदे जा सकने वाले सामानों का घरेलू उत्पादन) और वैश्विक बाजारों के प्रति गहरी शंका पर आधारित थी। हालांकि इस दृष्टिकोण ने औद्योगिक क्षमता के कुछ छिटपुट केंद्र जरूर विकसित किए, लेकिन यह आखिरकार दीर्घकालिक अक्षमता, तकनीकी ठहराव और भारत की आर्थिक क्षमता और उसके प्रदर्शन के बीच एक निरंतर बढ़ती खाई का ही कारण बना था। अर्थशास्त्री राज कृष्ण ने तो इसे 'हिंदू विकास दर' करार दे दिया था। हमारी अर्थव्यवस्था, जनसांख्यिकीय वृद्धि और बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए लगातार संघर्ष करती रही थी। 1991 के उदारीकरण ने रूपांतरण की शुरुआत को चिह्नित किया। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था से खुद को बचाने से लेकर उसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने, और उसमें प्रतिस्पर्धा करने तक पहुंच गया। यह बदलाव आर्थिक रूप से जितना महत्वपूर्ण था, उतना ही इसका मनोवैज्ञानिक महत्व भी था। खुलेपन की संभावनाओं को अपनाने के लिए भारत को अपनी चिंताओं और असुरक्षा की भावना को त्यागना पड़ा। समय के साथ, वैश्विक व्यापार, पूंजी प्रवाह और प्रौद्योगिकी नेटवर्क में एकीकरण ने विकास की गति, शहरीकरण के पैटर्न और उद्यमी संस्कृति को नया आकार दिया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। 2026 का भारत अपनी बेड़ियों को तोड़कर दुनिया की सबसे खुली और उदारीकृत उभरती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। यह परिवर्तन एक मौलिक अंतर्दृष्टि से उत्पन्न हुआ और वो यह है कि एक डिजिटलीकृत दुनिया में सच्ची आर्थिक सम्प्रभुता अलग-थलग रहने से नहीं, बल्कि जुड़ने से मिलती है। 1991 के शुरुआती सुधारों ने जहां दरवाजे खोलना शुरू किया था, वहीं भारत ने पिछले वर्षों में व्यवधानों को पूरी तरह से हटा दिया है। अब भारत हाशिये का खिलाड़ी नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रवाहों में केंद्रीय मंच है। सेवाओं के निर्यात, डिजिटल क्षमताओं और मैन्युफैक्चरिंग महत्वाकांक्षाओं ने हमें ऐसे देश के रूप में स्थापित किया है, जिसके आर्थिक विकल्प हमारी सीमाओं से बहुत आगे तक गूंजते हैं। बहुपक्षीय मंचों के भीतर, भारत ने यूएई, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, यूके और ईयू के साथ ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, न्यूजीलैंड और अमेरिका दोनों ने सैद्धांतिक रूप से समझौतों की घोषणा की है। इस बदलाव के आधार में भारत सरकार के 'आत्मनिर्भरता' के मंत्र की एक सूक्ष्म पुनर्व्याख्या भी है। भारत के नेता अब समझते हैं कि आत्मनिर्भरता वैश्विक जुड़ाव के माध्यम से भी हासिल की जा सकती है, दूसरों से अलग-थलग होकर नहीं। भारत अब विदेशी पूंजी से नहीं डरता है और वह पूर्वी एशिया के पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग समूहों के प्रमुख विकल्प के रूप में उत्सुकता से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। इस प्रकार, भारत के खुलेपन ने अब एक सामरिक महत्व प्राप्त कर लिया है। जो कभी घरेलू सुधार का एजेंडा लगता था, वह अब एक वैश्विक अवसर बन गया है। उभरते डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नए व्यापार समझौतों के बीच तालमेल एक ऐसे भविष्य का संकेत देता है, जहां भारत केवल वस्तुओं का ही नहीं, बल्कि दुनिया के डिजिटल आर्किटेक्चर का भी निर्यात करेगा। एक बड़े, स्थिर लोकतंत्र, युवा कार्यबल, बेहतर हो रहे बुनियादी ढांचे और एक ऐसे नियामक वातावरण का संयोजन- जो अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ रहा है- भारत को केवल चीन का विकल्प ही नहीं, बल्कि एक बहुध्रुवीय आपूर्ति-श्रृंखला संरचना में महत्वपूर्ण केंद्र भी बनाता है। विदेशी पूंजी के विरोध से लेकर उसे आकर्षित करने तक; घरेलू अक्षमताओं से लेकर वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तक- हमारी यात्रा की दिशा स्पष्ट है। भारत अब वैश्विक व्यवस्था में मूकदर्शक नहीं, अपने भविष्य का प्रमुख निर्माता भी है। शशि थरूर

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर-संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं।हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति

क्या बच्चों में उग्रता रोकने के लिए हमें सजा को शुगरकोट करना चाहिए?

हम सभी ने बचपन में जरूर सुना होगा कि 'बेंच पर खड़े हो जाओ।' यह आम सजा थी। इससे थोड़ी सख्त थी, 'क्लास के बाहर खड़े रहो।' खासकर, जब हम उस पीरियड के टीचर को ज्यादा परेशान करते थे। दूसरी सजा में बदतर तब होता, जब आप क्लास के बाहर खड़े हों और प्रिंसिपल राउंड पर आ जाएं। जब मुझे ऐसी सजा मिली तो दो बार टॉयलेट में छिपना पड़ा। तीसरी और सबसे बुरी सजा, जिससे मैं हमेशा डरता था, यह थी कि 'क्लास के बाद प्रिंसिपल रूम में मिलना।'मैं ऐसी सजा कभी नहीं चाहता था, क्योंकि प्रिंसिपल मेरे पिताजी को जानते थे और उनकी टेबल पर फोन रहता था। वे हमेशा पिताजी के ऑफिस में फोन करने की धमकी देते। उस दिन घर लौटने पर मैं सजा के बारे में बात नहीं करता और ओवरएक्टिंग करता था। इससे मां के सामने भांडा फूट जाता और आखिरकार वे पूछ ही लेती थीं कि 'क्या आज क्लास में कोई सजा मिली?' कभी मैं मना कर देता, जिसे वे नजरअंदाज कर देतीं और कभी मान लेता, लेकिन उनसे वादा लेता कि वे पिताजी को नहीं बताएंगी। धीरे-धीरे ये सजाएं बदलकर 'अ नोट टु पैरेंट्स' तक पहुंचीं। इसमें छात्र को पैरेंट्स के सिग्नेचर करवाने होते थे, या लिखा होता था कि 'कल पिताजी को साथ लाना।' मेरी बेटी के स्कूल से पासआउट होने तक मैंने यह सब देखा। हालांकि, अपने पिता के विपरीत उसे कभी सजा नहीं मिली। वह अपनी मां की तरह समझदार थी। इसके बाद मुझे नहीं पता था कि स्कूलों की सजाएं कैसी हो गईं, जब तक कि मैं अमेरिका नहीं गया। वहां कुछ स्कूलों में अलमारी से दोगुने

बड़े कमरे होते हैं और वे उन्हें अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। वे बच्चों को स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर के केबिन के पीछे उस कमरे में भेजते हैं और उस जगह को 'काम डाउन रूम' कहते हैं। कोई उसे 'चिल रूम' तो कोई 'रीसेट स्पेस' या 'सेल्फ-मैनेजमेंट रूम' कहता है। जबकि कुछ सख्त स्कूल उसे 'रेगुलेशन स्टेशन' कहते हैं। यदि पैरेंट्स इस आइसोलेशन पनिशमेंट पर सवाल उठाएं, तो स्कूल उन्हें समझाते हैं कि यह 'थिंकिंग रूम' है- ऐसा शब्द, जो माता-पिता को गहराई से सोचने से रोकता है। दिलचस्प यह है कि अब पैरेंट्स के पास ऐसे 45 अलग-अलग शब्द हैं, जिनका इस्तेमाल देशभर के स्कूल करते हैं। वे 'वेलनेस', 'सेल्फ सपोर्ट', 'फोकस' और 'माइंडफुलनेस' जैसे शब्द इस्तेमाल करते हैं। जबकि पैरेंट्स सोच रहे हैं कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, जब यह जगह अलमारी जैसी छोटी और डरावनी भी है, वहां बुरा बर्ताव करने पर क्लास से हटाए बच्चे को रखा जाता है।अपनी यात्रा के दौरान मैंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के आसपास काफी समय बिताया, जो मैसाचुसेट्स राज्य में है। इस राज्य के स्कूलों को पैरेंट्स को यह बताने की जरूरत नहीं कि कब उनके बच्चे को 'टाइमआउट रूम' में रखा गया। यह प्रथा आज भी जारी है, जबकि पैरेंट्स जोर देकर कह चुके हैं कि इससे बच्चों को गहरा आघात पहुंचता है। कई बार बच्चे डर से मल-मूत्र तक कर देते हैं, तब जाकर पैरेंट्स को सजा के बारे में पता चलता है। एक स्थानीय टीवी न्यूज स्टोरी में बताया गया कि? 5 साल का एक ऑटिस्टिक बच्चा 28 मिनट की सजा में उस कमरे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था। यह मामला पैरेंट्स के बीच चर्चा का बड़ा विषय बना था। मीका कैमिली नाम की मां ने 8 साल के बेटे के रिकॉर्ड खंगाले तो उनमें कम उपस्थिति और हाइपरएक्टिविटी

डिसऑर्डर के नोट थे। चौंकाने वाली बात यह थी कि उसमें बच्चे को दो बार 'टाइमआउट रूम' में भेजने का भी उल्लेख था। अब वे बेटे के गुस्सैल व्यवहार के लिए स्कूल को दोषी ठहराती हैं। कई पैरेंट्स कहते हैं कि यह जेल है। फंडा यह है कि युवा पीढ़ी छोटी-छोटी बातों पर बहुत ज्यादा संवेदनशील और तुनकमिजाजी होती जा रही है तो स्कूलों को सजा के बारे में फिर से सोचना पड़ेगा। कठोर सजाओं को 'टाइमआउट रूम' जैसे चाशनी लपेटे हुए शब्दों में पेश करने से शायद बच्चों की संवेदनशीलता को शांत नहीं किया जा सकता। एन. रघुरामन

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।

गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।

लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।

साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

नीट केस में महाराष्ट्र की केमिस्ट्री कोचिंग का डायरेक्टर गिरफ़्तार,सीबीआई को फोन में लीक पेपर मिला,अब तक 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली/मुंबई। नीट पेपर लीक केस में सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी हुई। सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री

कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, रविवार को सीबीआई की तलाशी के दौरान रघुनाथ के मोबाइल से नीट यूजी का लीक पेपर बरामद हुआ। सीबीआई के मुताबिक मोटेगांवकर संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो नीट पेपर लीक कराने और आगे फैलाने में शामिल है। उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल की और कई लोगों को दी थी। सीबीआई ने 15 मई को मोटेगांवकर से उसके घर पर 8 घंटे पूछताछ की थी। मोटेगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को सीबीआई ने आरसीसी के मेन ऑफिस पर छापा मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोचिंग सेंटर का रु100 करोड़ का टर्नओवर है। सीबीआई को शक है कि सेंटर में नीट कैंडिडेट्स को लीक पेपर के सवाल उपलब्ध कराए गए। साथ ही लातूर के कई डॉक्टरों ने लीक पेपर खरीदा। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें से 6 महाराष्ट्र से हैं। 17 मईः राहुल का सवाल- हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई ने जांच बैठाई। एक कमेटी बनी। नीट 2026 का पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने फिर इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर जांच कर रही है। एक और कमेटी बनेगी। मोदी जी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है- जवाब दो, बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस परीक्षा पे चर्चा पर आप चुप क्यों हैं? बार-बार फेल हो रहे शिक्षा मंत्री (धर्मेंद्र प्रधान) को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं?' 17 मईः एनटीए में आईआरएस अफसर समेत 4 अधिकारियों की नियुक्ति-केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में बड़े प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 4 अधिकारियों की नियुक्ति की। आईआरएस अधिकारी आकाश जैन और आदित्य राजेंद्र भोजगढ़िया को जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया। अनुजा बापट और रुचिता विज को भी एनटीए में जॉइंट सेक्रेटरी बनाया गया। दोनों का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच साल या अगले आदेश तक रहेगा। मंधारे एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा रही- सीबीआई का दावा है कि बायोलॉजी मंधारे एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा थीं। उसकी गिरफ्तारी 14 मई चलाई। वहां छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के सवाल नोट करवाए थे। जांच में यह भी सामने आया है कि मंधारे ने पुणे से गिरफ्तार ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए नीट देने वाले स्टूडेंट्स को अपने कोचिंग में एडमिशन दिलाया था। मनीषा मंधारे और मनीषा वाघमारे ने छात्रों और उनके पेरेंट्स से लीक पेपर देने के बदले लाखों रुपए लिए। मनीषा वाघमारे ने अपने कॉन्टेक्ट्स के और लोगों तक पेपर पहुंचाए। मनीषा वाघमारे और पेपर लीक के मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी से पूछताछ के आधार पर ही मनीषा मंधारे की गिरफ्तारी हुई है। कुलकर्णी लातूर का केमिस्ट्री प्रोफेसर है और कई सालों तक नीट पेपर सेटिंग से जुड़े पैनल का हिस्सा था। एजेंसी के मुताबिक कुलकर्णी ने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में अपने घर पर स्पेशल क्लास लेकर छात्रों को वे सवाल, ऑप्शन और जवाब बताए थे, जो बाद में एग्जाम में आए। 3 मई को हुई नीट यूजी, 12 मई को रद्द- नीट यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और रीएग्जाम का फैसला लिया गया।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कतर का गैस निर्यात ठप,इकोनॉमी 8.6फीसदी गिर सकती है-यहां से ही भारत का सबसे ज्यादा एलपीजी आयात

दोहा। कतर फारस की खाड़ी में मौजूद एक छोटा-सा रेगिस्तानी देश था, जहां ज्यादातर लोग मोती निकालने और समुद्र से जुड़े छोटे-मोटे कारोबार पर निर्भर थे। फिर प्राकृतिक गैस ने इस देश की किस्मत पूरी तरह बदल दी। कतर ने 90 के दशक में बड़े पैमाने पर एलएनजी यानी लिक्विफाइट नैचुरल गैस बनाकर उसे होर्मुज स्ट्रेट के जरिए दुनियाभर में भेजना शुरू किया। इससे उसे हर साल अरबों डॉलर की कमाई होने लगी। सिर्फ 30 साल में वह दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल हो गया। लेकिन 28 फरवरी के बाद अचानक सब बदल गया। जंग शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया और कतर की दुनिया तक पहुंच लगभग कट गई है। युद्ध और तनाव की खबरों ने पर्यटन और कारोबार पर भी असर डाला है। इससे देश में मंदी का खतरा बढ़ गया है। भारत भी कतर से भारी मात्रा में प्राकृतिक गैस खरीदता है। अलग-अलग रिपोर्टों के मुताबिक, भारत की कुल एलएनजी आयात का करीब 40फीसदी से 47फीसदी हिस्सा कतर से आया है। कतर में 1971 में नॉर्थ फील्ड नाम का विशाल गैस भंडार मिला था। इसे दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडारों में गिना जाता है। तब दुनिया में ज्यादातर देशों तक गैस पाइपलाइन के जरिए पहुंचाई जाती थी। समस्या यह थी कि कतर एक छोटा-सा खाड़ी देश है और उससे सीधे यूरोप या एशिया तक पाइपलाइन बिछाना बेहद महंगा और मुश्किल था। तब कतर ने एक बड़ा दांव खेला। उसने अपनी प्राकृतिक गैस को बहुत ज्यादा ठंडा करके तरल, यानी लिक्विड बनाने की तकनीक अपनाई। इसमें गैस को करीब माइनस 162 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाता है। इतना ठंडा होने पर गैस सिकुड़कर तरल बन जाती है और उसका आकार करीब 600 गुना छोटा हो जाता है। यही एलएनजी यानी लिक्विफाइड नेचुरल गैस कहलाती है। इससे गैस को पाइपलाइन की बजाय जहाजों से दुनियाभर में भेजना संभव हो गया। यहीं से कतर एक ऊर्जा महाशक्ति बनकर उभरा। 1996 में जापान को 60 हजार टन एलएनजी की पहली खेप भेजी गई। इसके बाद उत्पादन तेजी से बढ़ा और 2010 तक कतर की क्षमता 7.7 करोड़ टन सालाना पहुंच गई। कतर की 60 फीसदी से ज्यादा कमाई गैस और उससे जुड़े कारोबार से होती रही। इस कमाई ने कतर के रेगिस्तान की तस्वीर बदल दी। जहां कभी कच्ची सड़कें और खाली रेतीले मैदान थे, वहां आज ऊंची-ऊंची कॉर्पोरेट इमारतें, चौड़ी सड़कें और आधुनिक शहर खड़े हैं। शहरों में ऐसी सिंचाई व्यवस्था बनाई गई कि रेगिस्तान के बीच भी हरियाली, घास और चमकीले फूल दिखाई देने लगे। दोहा जैसे शहर आधुनिक

महानगरों में बदल गए। कतर ने मेट्रो नेटवर्क बनाया, जो राजधानी दोहा को उत्तर में बसे लुसैल शहर से जोड़ता है। लुसैल में पेरिस जैसे डिजाइन वाला विशाल मॉल बनाया गया और कृत्रिम बर्फ वाला थीम पार्क भी तैयार किया गया। कतर ने साल 2022 में दुनिया का सबसे महंगा फुटबॉल वर्ल्ड कप आयोजित किया। इतना ही नहीं, उसने करीब 600 अरब डॉलर का सॉवरेन वेल्थ फंड बनाया, जिसने लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट, न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग और दुनिया भर की बड़ी संपत्तियों में निवेश किया। रस लाफान सिटी बनाने के बाद अमीर हुआ कतर-कतर की आर्थिक सफलता में रस लाफान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसे कतर की गैस इकोनॉमी का दिल माना जाता है। दोहा से 80 किमी उत्तर रेगिस्तान में बसे इस इंडस्ट्रियल सिटी की वजह से कतर दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातकों में शामिल हुआ। यह 100 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैला हुआ है। यहां गैस प्रोसेसिंग और एलएनजी प्लांट बने हैं। दोहा के दक्षिणी हिस्से में समुद्र किनारे लंबी औद्योगिक पट्टी बनाई गई, जहां गैस से अमोनिया और खाद तैयार की जाती है। 1990 से 2010 के बीच कतर की अर्थव्यवस्था हर साल औसतन 13 फीसदी की दर से बढ़ी। इस तेज विकास के लिए देश ने बड़ी संख्या में विदेशी मजदूर और पेशेवर कर्मचारियों को बुलाया। आज कतर की 32 लाख आबादी में करीब 90 फीसदी लोग विदेशी नागरिक हैं। इस सफलता को और बढ़ाने के लिए कतर ने 2019 में घोषणा की कि वह 2027 तक एलएनजी उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 12.6 करोड़ टन सालाना करेगा। युद्ध से पहले उसकी क्षमता करीब 7.7 करोड़ टन थी। यह विस्तार दुनिया की सबसे बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं में गिना जा रहा था। लेकिन जंग की वजह से यह सब रुक गया है। ईरान की हमले से कतर के रस लाफान को नुकसान-हाल के युद्ध में ईरान ने इसे निशाना बनाया। मिसाइलों और ड्रोन हमलों में रस लाफान के कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों को नुकसान पहुंचा, जिससे कतर की गैस उत्पादन क्षमता करीब 17 फीसदी घट गई। इसी वजह से यह इलाका अब कतर की सबसे बड़ी चिंता भी बन गया है। कतर का सबसे बड़ा गैस उत्पादन केंद्र रस लाफान लगभग बंद पड़ा है। वहां की सड़कें बंद कर दी गई हैं। राजधानी दोहा के दक्षिण में बने विशाल हमाद पोर्ट पर लोडिंग क्रेन खामोश खड़ी हैं। जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। राजधानी के होटल, लग्जरी दुकानें और बाजार खामोश हैं। एशिया ग्रुप नाम की रणनीतिक सलाहकार कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अहमद हेलाल ने कहा कि कतर की पूरी अर्थव्यवस्था गैस निर्यात पर टिकी हुई है। उनके मुताबिक, 'आज कतर में जो कुछ भी दिखाई देता है, वह ऊर्जा से आई दौलत की वजह से बना है। इसी कारण देश अब बेहद मुश्किल आर्थिक स्थिति की तरफ बढ़ रहा है।' होर्मुज बंद हुआ तो दुनिया से दूर हुआ कतर-होर्मुज कतर के लिए जरूरी सामान लाने का जरिया है। कारें, मशीनें, फल-सब्जियां और बाकी रोजमर्रा का सामान भी इसी रास्ते आता है। अब यह सप्लाई रुक चुकी है। सऊदी अरब और यूएई जैसे पड़ोसी देशों के पास ऐसे पाइपलाइन रास्ते हैं जो होर्मुज स्ट्रेट पर निर्भर नहीं हैं। लेकिन कतर पूरी तरह इसी जलमार्ग में फंसा हुआ है। ईरानी नाकेबंदी शुरू होने के सिर्फ 24 घंटे बाद कतर एनर्जी ने कहा कि वह अपने गैस सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट पूरे नहीं कर पाएगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर होर्मुज कल भी खुल जाए, तब भी उत्पादन को पुराने स्तर तक लौटाने में कई साल लग सकते हैं। कतर एनर्जी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अरबों डॉलर का नुकसान हो चुका है। हर गुजरते दिन के साथ देश को सैकड़ों मिलियन डॉलर की अतिरिक्त चोट लग रही है, क्योंकि गैस बिक्री और जहाज किराये की कमाई पूरी तरह रुक गई है। कतर की इकोनॉमी के 8.6फीसदी सिकुड़ने का खतरा-एलएनजी सप्लाई रुकने के बाद कतर की आर्थिक विकास दर के अनुमान भी घटा दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि इस साल कतर की अर्थव्यवस्था 8.6फीसदी सिकुड़ सकती है। इसे आसान भाषा में समझें, तो मान लीजिए पिछले साल कतर की अर्थव्यवस्था 100 रुपये की थी, तो 8.6फीसदी सिकुड़ने का मतलब है कि इस साल वह घटकर करीब 91.4 रुपये के बराबर रह जाएगी। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिनचास ने कहा कि जितने दिन स्ट्रेट बंद रहेगा, हालात उतने खराब होते जाएंगे। जंग से कतर के टूरिज्म को भी नुकसान-युद्ध ने कतर की दूसरी बड़ी कमजोरी भी सामने ला दी। पिछले कुछ वर्षों से कतर सिर्फ तेल-गैस देश की छवि से बाहर निकलकर खुद को पर्यटन, फाइनेंस और अंतरराष्ट्रीय कारोबार का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहा था। 2019 में उसने विदेशी कंपनियों के लिए स्थानीय साझेदार रखने की शर्त खत्म कर दी। ट्रांजिट यात्रियों को लग्जरी होटल में रुकने के लिए सब्सिडी दी जाने लगी। फॉर्मूला-1 से लेकर फेंसिंग टूर्नामेंट तक, लगभग हर महीने कोई न कोई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन हो रहा था। लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद हालात बदल गए। अमेरिका और कई देशों ने यात्रा चेतावनी जारी कर दी। इसके बाद विदेशी पर्यटकों की संख्या तेजी से गिर गई। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने क्षेत्रीय अस्थिरता के डर से अपने कर्मचारियों को बाहर भेजना शुरू कर दिया। मार्च में वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल ने अनुमान लगाया कि मिडिल ईस्ट को पर्यटन में हर दिन करीब 60 करोड़ डॉलर का नुकसान हो रहा है। हवाई कार्गो से सब्जियां मंगवा रहा कतर-कतर सरकार अब एक तरफ लोगों में सामान्य माहौल दिखाने की कोशिश कर रही है और दूसरी तरफ संकट से निपटने में लगी है। कतर अपना करीब 90 फीसदी खाना आयात करता है। समुद्री रास्ता बंद होने के बाद यूरोप से आने वाली ताजी सब्जियां और अमेरिका से आने वाला अनाज अब महंगे हवाई कार्गो या सऊदी अरब के रास्ते ट्रकों से लाया जा रहा है। आम तौर पर ऐसी स्थिति में महंगाई तेजी से बढ़ जाती, लेकिन सरकार भारी सब्सिडी देकर दाम कंट्रोल रखने की कोशिश कर रही है। सुपरमार्केट कर्मचारियों के मुताबिक, तंजानिया जैसे देशों से हवाई जहाजों के जरिए लाई जा रही एवोकाडो जैसी चीजों के दाम सिर्फ 5 से 10 फीसदी तक ही बढ़े हैं। लोग कहते हैं कि वे खुद को अभी भी सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन रस लाफान पर हमला लोगों के दिमाग में अब भी ताजा है। कई लोगों ने बताया कि हमले वाली रात दोहा से भी आग का विशाल गुबार दिखाई दे रहा था और हवा में धुएं की तीखी गंध फैली हुई थी। तेल कमाई बंद हुई तो भी कतर के पास अकूत संपत्ति-आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कई साल तक गैस से कमाई बंद भी रहे, तब भी कतर के पास इतनी बचत है कि वह वेतन और जरूरी सरकारी सेवाएं जारी रख सके। कतर के पास करीब 600 अरब डॉलर (लगभग 50 लाख करोड़ रुपये) की विदेशी बचत है। कतर सरकार ने दुनियाभर की बड़ी संपत्तियों और कंपनियों में निवेश कर रखा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भी इस महीने कतर की क्रेडिट रेटिंग बरकरार रखी और कहा कि देश के पास बड़े वित्तीय भंडार मौजूद हैं। फिर भी सरकार की सबसे बड़ी चिंता विदेशी कंपनियों और विदेशी कर्मचारियों को देश में बनाए रखना है। अधिकारियों ने कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर दबाव डाला है कि वे अपना काम बंद न करें और कर्मचारियों को वापस बुलाएं।

खुला इराक में इजराइली कैंप का राज

चरवाहे ने देख लिया था इजराइल का सीक्रेट सैन्य ठिकाना,हेलिकॉप्टर से पीछा कर मारा

काबुल। जगह- अल-नुखैब कस्बा, पश्चिमी इराक 29 साल का चरवाहा अवाद अल-शम्मारी अपनी पिकअप गाड़ी लेकर जरूरी सामान लेने निकला था। सऊदी अरब और जॉर्डन की सीमाओं के पास बसे इस रेगिस्तानी इलाके में गाड़ियों का गुजरना आम बात थी। कुछ घंटों बाद वही गाड़ी आग की लपटों में घिरी और गोलियों से छलनी हालत में वापस दिखाई दी। लोगों ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर ट्रक का पीछा कर रहा था और लगातार उस पर गोलियां चला रहा था, जब तक कि ट्रक रेत में रुक नहीं गया। परिजनों का कहना है कि अवाद गलती से इजराइल के एक सीक्रेट सैन्य ठिकाने तक पहुंच गया था। वहां उसे एक अस्थायी हवाई पट्टी के आसपास सैनिक, हेलिकॉप्टर और तंबू दिखाई दिए। उसने तुरंत इराकी सेना के रीजनल कमांड को फोन कर इसकी सूचना दी। परिवार का मानना है कि इसी वजह से उसकी हत्या कर दी गई। इजराइली सेना ने इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट में शामिल गवाहों और अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से नाम छिपाने की शर्त पर न्यूयॉर्क टाइम्स से बात की है। ईराक में इजराइल के 2 सीक्रेट सैन्य ठिकाने-इजराइल पिछले एक साल से ज्यादा समय तक इराक के पश्चिमी रेगिस्तान में दो सीक्रेट मिलिट्री बेस चला रहा था। क्षेत्रीय और इराकी अधिकारियों के अनुसार इजराइल उस जगह का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में सहायता के लिए कर रहा था। इनमें से एक वही अड्डा था जिसे अवाद ने देख लिया था। इससे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भी इराक में एक इजराइली ठिकाने की खबर दी थी, लेकिन इराकी अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि दूसरा सीक्रेट ठिकाना भी मौजूद था।अधिकारियों ने कहा कि यह ठिकाना अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जून 2025 में हुई 12 दिन की लड़ाई से पहले ही बनाया जा चुका था। एक क्षेत्रीय अधिकारी के मुताबिक इजराइल ने 2024 के आखिर में ही ऐसे सीक्रेट ठिकानों की तैयारी शुरू कर दी थी ताकि भविष्य के युद्धों में उनका इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिका को थी इजराइली सीक्रेट ठिकाने की जानकारी-कम से कम एक सीक्रेट अड्डे की जानकारी अमेरिका को जून 2025 या उससे पहले से थी। इससे माना जा रहा है कि अमेरिका ने इराक से यह बात छिपाई कि उसकी जमीन पर एक दुश्मन देश की सेना काम कर रही थी। इराकी सांसद वाद अल-कदू ने कहा कि इजराइल का इराक की जमीन पर सीक्रेट ठिकाने बनाना देश की संप्रभुता और इराकी लोगों के सम्मान का खुला उल्लंघन है। क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक इजराइल को भरोसा था कि वह इराक में सीक्रेट ठिकाना चला सकता है, क्योंकि वहां अमेरिका की मजबूत सैन्य मौजूदगी है। अधिकारियों ने कहा कि 2025 की लड़ाई और मौजूदा तनाव के दौरान अमेरिका ने इराक से अपने रडार बंद करवाए थे, ताकि अमेरिकी विमानों की जानकारी बाहर न जाए। इसकी वजह से इराक अपने इलाके में संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर हो गया। इस खुलासे ने इराक के लिए असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। पहला ये कि क्या इराकी सुरक्षा बलों को विदेशी सैन्य मौजूदगी की जानकारी नहीं थी? या फिर उन्हें पता था लेकिन उन्होंने नजरअंदाज किया? दोनों ही हालात से पता चलता है कि इराक

अभी भी अपनी जमीन पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं रख पा रहा है। इराकी सेना के कमांडर बोले- मुझे पहले से शक था-इराकी सेना के यूफ्रेट्स यूनिट के कमांडर मेजर जनरल अली अल-हमदानी ने कहा कि सेना को एक महीने पहले से रेगिस्तान में इजराइली मौजूदगी का शक था। वहां रहने वाले बेदुइन समुदाय के लोग कई हफ्तों से सेना को बता रहे थे कि रेगिस्तान में संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दे रही लेकिन सेना ने सीधे वहां जाने की बजाय दूर से निगरानी करना चुना। उन्होंने बताया कि इराकी सेना ने अमेरिकी अधिकारियों से भी जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके कुछ समय बाद जब चरवाहे अवाद ने खुद फोन कर बताया कि उसने एक हवाई पट्टी के आसपास सैनिक, हेलिकॉप्टर और तंबू देखे हैं, तब मामला और गंभीर हो गया। लेकिन कुछ ही समय बाद उसका संपर्क टूट गया। सेना जांच के लिए पहुंची, इजराइल ने हमला कर भगाया-अवाद के परिवार ने दो दिन तक उसकी तलाश की। बाद में उन्हें उन बेदुइन लोगों के बारे में पता चला जिन्होंने उसकी हत्या देखी थी। अवाद के चचेरे भाई आमिर अल-शम्मारी ने कहा कि लोगों ने उन्हें बताया कि रेगिस्तान में अवाद जैसी एक जली हुई पिकअप गाड़ी पड़ी है, लेकिन डर के कारण कोई वहां जाने की हिम्मत नहीं कर रहा था। जब परिवार वहां पहुंचा तो उन्हें जली हुई गाड़ी और अवाद का शव मिला। परिवार ने उसकी खून से लथपथ तस्वीरें साझा कीं। उसका सिर और उंगलियां बुरी तरह जली हुई थीं। परिवार ने उसी जगह गाड़ी के पास एक साधारण कब्र बनाकर उसे दफना दिया। अली अल-हमदानी के मुताबिक अवाद की सूचना के अगले दिन इराकी सेना ने इलाके में जांच के लिए टुकड़ी भेजी। लेकिन जैसे ही सैनिक उस इलाके के करीब पहुंचे, उन पर हमला हो गया। एक सैनिक मारा गया, दो घायल हुए और सेना की गाड़ियों पर बमबारी की गई। इसके बाद सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। बगदाद में सीनियर अफसर समझ नहीं पा रहे थे कि हमला किसने किया। कुछ बड़े सैन्य अधिकारियों ने घटना को कम महत्व देकर जांच को धीमा कर दिया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से इराकी सेना ने सिर्फ इतना कहा कि 'विदेशी फोर्स' ने हमला किया और यूएनएससी में शिकायत दर्ज कराई गई है।हालांकि अंदरूनी स्तर पर इराकी आर्मी चीफ जनरल अब्दुल-अमीर यारल्लाह ने अमेरिकी सेना से संपर्क किया। मेजर जनरल हमदानी और दो सीनियर अधिकारियों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष ने कहा कि हमला अमेरिका ने नहीं किया। इसके बाद इराकी अधिकारियों को समझ आया कि यह इजराइल था।अली अल-हमदानी ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, 'अब तक सरकार इस मुद्दे पर चुप है।' यानी उनका इशारा इस बात की तरफ था कि सरकार को शक और जानकारी होने के बावजूद उसने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा। इराक ने इजराइली ठिकाने होने की बात नहीं मानी-इराक और इजराइल के बीच कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और इराक की जनता इजराइल को दुश्मन मानती है। इराक की सरकार ने अब तक आधिकारिक तौर पर इन अड्डों की मौजूदगी स्वीकार नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल-नुखैब वाला अड्डा इजराइल के विमानों को ईरान तक कम दूरी में पहुंचने, ईंधन भरने और घायलों के इलाज के लिए इस्तेमाल होता था। क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक जून 2025 की लड़ाई में यह अड्डा बेहद उपयोगी साबित हुआ था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इराक में इजराइली गतिविधियों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन पूर्व अमेरिकी सैन्य अधिकारियों और राजनयिकों ने कहा कि अमेरिका और इजराइल की सेनाओं के करीबी संबंधों को देखते हुए यह मानना मुश्किल है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड को इसकी जानकारी न हो। इराकी अधिकारी ने दूसरे सीक्रेट अड्डे की पुष्टि की-हमले के 5 दिन बाद 8 मार्च को इराकी संसद ने सैन्य अधिकारियों को गोपनीय ब्रीफिंग देने के लिए बुलाया। बैठक में मौजूद सांसद हसन फदाम ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि इजराइल ने इराक में कम से कम एक और सैन्य ठिकाना बना रखा था। उन्होंने कहा कि अल-नुखैब वाला अड्डा सिर्फ इसलिए सामने आया क्योंकि वह पकड़ा गया। एक दूसरे इराकी अधिकारी ने भी दूसरे अड्डे की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने उसकी सटीक जगह नहीं बताई। सिर्फ इतना कहा कि वह भी पश्चिमी रेगिस्तान में था। रिपोर्ट में कहा गया है कि नियमों के मुताबिक इराक की जमीन पर किसी भी सैन्य गतिविधि की जानकारी अमेरिका को बगदाद को देनी होती है। इससे दो संभावनाएं बनती हैं। या तो अमेरिका ने यह बात छिपाई, या इराकी शीर्ष अधिकारियों को जानकारी थी लेकिन उन्होंने इसे गुप्त रखा। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि इराकी नेतृत्व को शायद यह पता नहीं था कि मौजूदगी इजराइल की है। संभवतः उन्हें लगा होगा कि वहां अमेरिकी बल हैं। एक्सपर्ट बोले- ईरान को इराक पर हमले करने का बहाना मिला-2003 में अमेरिका के इराक पर हमले के बाद से ही बगदाद अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता रहा है। ट्रम्प सरकार लगातार इराक पर दबाव डालता रहा है कि वह ईरान समर्थक मिलिशिया को कमजोर करे और उन्हें सरकार व सुरक्षा बलों से दूर रखे। विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल के गुप्त अड्डों का खुलासा इस संतुलन को और बिगाड़ सकता है।

जियोपोल लैब्स के संस्थापक रमजी मार्दिनी ने कहा कि अब अमेरिका के साथ सहयोग को इजराइल के साथ खड़े होने के रूप में देखा जा सकता है। अगर ईरान के साथ युद्ध दोबारा शुरू हुआ तो इससे ईरान को इराक में और सीधे दखल का बहाना मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इससे ईरान समर्थक मिलिशिया को हथियार छोड़ने से इनकार करने का आधार भी मिल जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक अल-नुखैब वाला इजराइली अड्डा अब सक्रिय नहीं है, जबकि दूसरे अड्डे की स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं अवाद अल-शम्मारी के परिवार का कहना है कि उसकी हत्या को नजरअंदाज किया गया। उसके चचेरे भाई आमिर ने कहा कि परिवार चाहता है कि सरकार इस मामले की जांच करे और पता लगाए कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ।

60 साल के सलमान ने शेयर की शर्टलेस फोटो-दिखे फिट एब्स, कहा- जब कोई आपके साथ रहना नहीं चाहता, तब लोनली महसूस होता है

मुंबई। 60 साल के सलमान खान ने रविवार को शर्टलेस फोटो

शेयर की। फोटो में उनकी टोन्ड बॉडी, फिट एब्स और मस्कुलर फिजीक दिखाई दे रहा है।तस्वीर में सलमान आराम करते नजर आ रहे हैं, हालांकि, उनकी फिटनेस के साथ-साथ उनके पोस्ट के कैप्शन की भी चर्चा हो रही है। कैप्शन में सलमान ने लिखा, 'मैं, खुद और सिर्फ मैं अपने आप रहने के दो तरीके होते हैं, अलोन और लोनली। अलोन रहना अपनी पसंद होती है, लेकिन लोनली तब महसूस होता है जब कोई आपके साथ रहना नहीं चाहता। अब इसके आगे आपको खुद समझना है कि आपको क्या करना चाहिए।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द ही फिल्म मातृभूमि में नजर आएंगे। इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी होंगी। इस फिल्म का डायरेक्शन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था। फिल्म की रिलीज डेट पहले 17 अप्रैल थी, जो टाल दी गई है और नई तारीख का अभी ऐलान नहीं हुआ है। सलमान ने नई फिल्म की शूटिंग शुरू की-वहीं, सलमान ने एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अपनी दूसरी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका अस्थायी नाम एसवीसी63 है। इस फिल्म से सलमान पहली बार डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करे रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इसके अलावा, वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान डायरेक्टर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक सुपरहीरो एक्शन फिल्म में भी काम कर सकते हैं। ऐसी भी चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में वह करीना कपूर खान के साथ काम कर सकते हैं।

गोविंदा के बाउंसर पर पैपराजी को धक्का देने का आरोप,इवेंट में हुई बहस- एक्टर ने खुद मामला शांत कराया

मुंबई। गोविंदा हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुए, जहां भारी भीड़ के बीच उनके बाउंसर और एक पैपराजी के बीच बहस हो गई। बाउंसर पर कथित तौर पर धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार का आरोप लगा। मामला बढ़ता देख गोविंदा ने खुद बीच में आकर दोनों पक्षों को शांत कराया। दरअसल, विवाद उस समय शुरू हुआ, जब इवेंट खत्म होने के बाद गोविंदा वहां से लौट रहे थे और बड़ी संख्या में फैंस ने उन्हें घेर लिया। भीड़ को कंट्रोल करने के दौरान बाउंसर ने एक्टर के लिए रास्ता बनाने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ लोगों को कथित तौर पर धक्का लग गया, जिसमें पैपराजी भी शामिल थे। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध जताया और बहस शुरू हो गई। बता दें कि इवेंट में गोविंदा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। वहां मौजूद फैंस ने उनके डांस और मौजूदगी का जमकर आनंद लिया। गोविंदा जल्द ही कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आएंगे। यह शो शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। वह शो में अपनी बेटी टीना आहूजा को सपोर्ट करेंगे। टीना मां सुनीता आहूजा के साथ एक टीम के हिस्से के तौर पर शो में हिस्सा ले रही थीं। हालांकि, पिछले कुछ एपिसोड्स की शूटिंग में सुनीता की गैरमौजूदगी के कारण अब गोविंदा उनकी जगह शो में शामिल होंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सुनीता पिछले कुछ एपिसोड्स की शूटिंग के लिए उपलब्ध नहीं थीं। ऐसे में शो की टीम ने टीना की जिंदगी के एक और अहम शख्स को शो में लाने का फैसला किया और गोविंदा से संपर्क किया। सूत्र के मुताबिक, गोविंदा ने शो का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। सोशल मीडिया पर गोविंदा के शो के सेट में स्पॉट होने के वीडियो भी सामने आए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछले 10 सालों में गोविंदा सिर्फ 3 फिल्मों में नजर आए हैं। साल 2017 में आई आ गया हीरो से उन्होंने लीड एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर कमबैक किया, लेकिन फिल्म फ्लॉप रही।

सीएम विजय और तृषा ने क्या साथ में मैच देखा,वायरल वीडियो में दोनों स्टेडियम में दिखे!

चेन्नई। एक्टर और तमिलनाडु के सीएम विजय और एक्ट्रेस तृषा कृष्णन का एक वीडियो सोशल

मीडिया पर सामने आया है, जिसमें दोनों स्टेडियम में साथ में बैठकर आईपीएल का मैच देखते दिख रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो सही नहीं, बल्कि पूरी तरह से फेक और एआई-जनरेटेड है। बता दें कि सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने यह फेक वीडियो शेयर किया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से तृषा को एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के साथ लिंक किया जा रहा है। हालांकि, विजय और तृषा ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। शुक्रवार को तृषा चेन्नई में अपनी नई रिलीज फिल्म 'करुप्पु' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं। इस दौरान डायरेक्टर आरजे बालाजी और एक्टर कार्थी भी मौजूद थे। थिएटर से बाहर निकलते समय तृषा अपनी कार में बैठी थीं। इसी दौरान एक फैन ने कहा, 'थलापति से कहना कि मैंने उनका हालचाल पूछा है।' इस पर तृषा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'कंदीपा (जरूर)'। फिर उन्होंने सिर नीचे कर लिया। इसके बाद वह फोन चलाती नजर आती हैं। बाद में तृषा वहां मौजूद फैंस की तरफ हाथ हिलाकर उनका अभिवादन भी करती दिखीं। हाल ही में सीएम विजय के एक फैसले की भी काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने तृषा की फिल्म 'करुप्पु' के लिए सुबह 9 बजे के मॉर्निंग शो (स्पेशल स्क्रीनिंग) की विशेष अनुमति दी। बता दें कि मॉर्निंग शो पर राज्य में पिछले 3 सालों से प्रतिबंध लगा हुआ था। पूरी खबर यहां पढ़ें-इससे पहले 10 मई को तृषा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुईं। वहीं, 4 मई को चुनाव परिणाम के दिन तृषा विजय के नीलांकरई स्थित घर भी पहुंची थीं। खास बात यह रही कि उसी दिन तृषा का 43वां जन्मदिन भी था। पर्सनल लाइफ की बात करें तो तृषा की 2015 में बिजनेसमैन वरुण मनियन से सगाई हुई थी, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए थे। वहीं, विजय ने 1999 में संगीता सोरनालिंगम से शादी की थी। इस शादी से दोनों के दो बच्चे जेसन संजय और दिव्या साशा हुए। वहीं, विजय और संगीता के तलाक का मामला अदालत में चल रहा है।इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, संगीता ने अपनी तलाक याचिका में पति विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था।

तलाक पर बोले मौनी के पति सूरज,हमारे बीच कोई विवाद या एलिमनी का लेनदेन नहीं, अफवाहें फैलाना बंद करे

मुंबई। एक्ट्रेस मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार ने पिछले

गुरुवार को अलग होने का फैसला किया था। अब इस मामले पर बिजनेसमैन सूरज नांबियार का स्टेटमेंट सामने आया है। सोमवार को जारी किए गए इस बयान में सूरज ने मीडिया में चल रही अफवाहों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने साफ किया है कि उनके अलग होने के फैसले में कोई विवाद, एलिमनी (गुजारा भत्ता) या कोई तीसरा शख्स शामिल नहीं है। दोनों ने आपसी सहमति और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। मौनी रॉय ने भी इस पोस्ट को दोबारा शेयर किया है। अफवाहों को बताया बेबुनियाद और गलत सूरज नांबियार ने अपने ऑफिशियल बयान में कहा कि मीडिया के कुछ हिस्सों की तरफ से हमारी पर्सनल लाइफ में जरूरत से ज्यादा दखल दिया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से हमारे अलग होने को लेकर जो भी खबरें चलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह से गलत और बेबुनियाद हैं। सूरज ने कहा कि हम दोनों आपसी सहमति से अलग हो रहे हैं और इस मामले को निजी तौर पर सुलझाने के लिए समय ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर चल रही मनगढ़ंत बातें सिर्फ लोगों को बदनाम करने की कोशिश हैं। गुरुवार को अलग होने की घोषणा की थी-गुरुवार को मौनी और सूरज ने इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट नोट जारी कर बताया था कि वे अपनी शादी खत्म कर रहे हैं।मौनी और सूरज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'हमें दुख है कि मीडिया के कुछ लोगों ने हमारी निजी जिंदगी में बेवजह और जरूरत से ज्यादा दखल दिया है। हम यह कहना चाहते हैं कि हमने अलग होने का फैसला किया है और इस समय को शांति और समझदारी के साथ निजी तौर पर संभाल रहे हैं। हमारी निजी जिंदगी को लेकर कई झूठी कहानियां और गलत बातें फैलाई गई हैं, जो हमारे रिश्ते की सच्चाई नहीं दिखातीं। काफी सोच-विचार के बाद हमने आपसी सम्मान और समझदारी के साथ अलग-अलग रास्तों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है।' न कोई विवाद है और न ही एलिमनी का मामला सूरज ने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को खारिज करते हुए लिखा कि मैं कुछ बातें बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं। हमारे बीच कोई एलिमनी का लेनदेन नहीं हो रहा है। हमारे बीच किसी तरह का कोई झगड़ा या विवाद नहीं है। इस अलगाव के पीछे कोई तीसरा शख्स भी नहीं है। मौनी और मैंने एक-दूसरे की भलाई को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। यही सच है और इसके अलावा जो कुछ भी मीडिया में दिखाया जा रहा है, वह सिर्फ काल्पनिक है। चुप रहना सही नहीं समझा सूरज ने आगे लिखा कि इस मुश्किल समय में मौनी और मैंने हमेशा गरिमा बनाए रखी है। हम मीडिया से भी इसी सम्मान की उम्मीद करते हैं। मैं इन अफवाहों का जवाब सीधे तौर पर इसलिए दे रहा हूं क्योंकि जानबूझकर फैलाई जा रही झूठी खबरों पर चुप रहना मुझे सही नहीं लगा। गलत जानकारी के खिलाफ बोलना बेहद जरूरी था। इस पूरे बयान को एक्ट्रेस मौनी रॉय ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर री-शेयर किया है। साल 2022 में हुई थी दोनों की शादी मौनी रॉय और सूरज नांबियार की शादी जनवरी 2022 में गोवा में हुई थी। दोनों की शादी बंगाली और साउथ इंडियन रीति-रिवाजों से हुई थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। दोनों की मुलाकात साल 2018 में दुबई के एक क्लब में हुई थी, जिसके बाद उन्होंने करीब तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया। शादी के चार साल पूरे होने से पहले ही दोनों ने पिछले हफ्ते एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर तलाक का ऐलान किया था।

महिलाए होती हैं साइबर ठगों की आसान शिकार,'फोन हैक' होने पर मिलते 11 संकेत,एक्सपर्ट से जानें इस स्कैम से कैसे बचें

लखनऊ। हाल ही में मुंबई की एक 78 साल की बुजुर्ग महिला के साथ 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। साइबर क्रिमिनल्स ने महिला का फोन हैक

करके इस स्कैम को अंजाम दिया। स्कैमर्स ने वॉट्सएप के जरिए महिला से संपर्क किया और खुद को डिजिटल विभाग का अधिकारी बताया। बातचीत से भरोसा जीतने के बाद कनेक्शन में नाम अपडेट के लिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने और पेमेंट करने को कहा। महिला के पेमेंट करते ही उनका फोन हैक हो गया और खाते से 25 लाख रुपए कट गए। ऐसे में इस स्कैम को समझना बेहद जरूरी है। इसलिए 'साइबर लिटरेसी' कॉलम में आज हम 'फोन हैकिंग स्कैम' के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? फोन हैकिंग से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः राहुल मिश्रा, साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर, उत्तर प्रदेश पुलिस जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम क्या है? जवाब- ये एक तरह का साइबर फ्रॉड है। इस स्कैम में ठग यूजर का फोन हैक कर लेते हैं। इसके जरिए सेंसिटिव इन्फॉर्मेशन चुरा लेते हैं। बैंक डिटेल्स और पासवर्ड पता कर लेते हैं। इसके बाद बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं। फोन हैकिंग के लिए ठग फर्जी लिंक, एपीके फाइल का सहारा लेते हैं। सवाल- स्कैमर्स किन तरीकों से फोन हैक कर सकते हैं? जवाब- स्कैमर्स अलग-अलग तरीकों से यूजर को फंसाकर फोन का एक्सेस ले लेते हैं। उनमे से कुछ तरीके-फिशिंग लिंक / मैसेज भेजकर, एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर। ओटीपी/ वेरिफिकेशन कोड लेकर। सिम स्वैप /सिम हाइजैक करके। कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिवेट करके। फर्जी कॉल से भरोसा जीतकर। फिशिंग लिंक/ फेक मैसेज फ्रॉड, एसएमएस या वॉट्सएप पर फर्जी लिंक भेजते हैं, जो बैंक, केवाईसी या प्रोडक्ट डिलीवरी के नाम पर होते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही यूजर की पर्सनल और बैंकिंग जानकारी स्कैमर्स तक पहुंच जाती है। एपीके फाइल के जरिए फ्रॉड ठग यूजर से एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। इंस्टॉल होते ही यह एप फोन का डेटा, मैसेज और ओटीपी तक एक्सेस कर लेता है। ओटीपी या वेरिफिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड स्कैमर्स खुद को बैंक या सर्विस एजेंट बताकर ओटीपी मांगते हैं। ओटीपी मिलते ही यूजर का अकाउंट-पासवर्ड बदलकर कंट्रोल ले लेते हैं। सिम स्वैप फ्रॉड ठग यूजर की जानकारी जुटाकर मोबाइल कंपनी से उसका नंबर नए सिम पर ट्रांसफर करवा लेते हैं। इससे असली सिम बंद हो जाता है और सभी ओटीपी स्कैमर को मिलने लगते हैं। कॉल फॉरवर्डिंग फ्रॉड- यूजर से कोई यूएसएसडी कोड डायल करवाया जाता है, जिससे उसकी कॉल्स दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड हो जाती हैं। इससे ओटीपी कॉल्स और जरूरी कॉल्स सीधे स्कैमर तक पहुंचती हैं। सोशल इंजीनियरिंग-ठग बैंक अधिकारी, कस्टमर केयर या सरकारी एजेंट बनकर कॉल करते हैं। वे यूजर को डर या लालच देकर उसकी जानकारी और एक्सेस ले लेते हैं। सवाल- फोन हैकिंग से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- फोन हैक करने के बाद स्कैमर्स पैसे उड़ाने के साथ के साथ निजी डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर के अकाउंट्स से दूसरों को भी ठगी का शिकार बना सकते हैं। सवाल- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? अचानक नेटवर्क चला जाए। अचानक सिम बंद हो जाए। बेवजह ओटीपी आने लगें। अलर्ट मैसेज आने लगें। फर्जी ट्रांजैक्शन हो। अकाउंट्स लॉगआउट हो जाएं। संदिग्ध एक्टिविटी दिखे। फोन स्लो चलने लगे। कॉन्टैक्ट्स को फर्जी मैसेज मिले। अनजान एप्स इंस्टॉल्ड दिखें।

जाती हैं। इससे ओटीपी कॉल्स और जरूरी कॉल्स सीधे स्कैमर तक पहुंचती हैं। सोशल इंजीनियरिंग-ठग बैंक अधिकारी, कस्टमर केयर या सरकारी एजेंट बनकर कॉल करते हैं। वे यूजर को डर या लालच देकर उसकी जानकारी और एक्सेस ले लेते हैं। सवाल- फोन हैकिंग से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- फोन हैक करने के बाद स्कैमर्स पैसे उड़ाने के साथ के साथ निजी डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर के अकाउंट्स से दूसरों को भी ठगी का शिकार बना सकते हैं। सवाल- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? अचानक नेटवर्क चला जाए। अचानक सिम बंद हो जाए। बेवजह कॉल/एसएमएस फॉरवर्ड होने लगे। सवाल- फोन हैकिंग का पता चलने पर तुरंत क्या करना चाहिए?

जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, तुरंत कार्रवाई करें- सिम सर्विस प्रोवाइडर से अपना सिम ब्लॉक करवाएं। बैंक से संपर्क करके अकाउंट्स ब्लॉक कराएं।

किसी दूसरे डिवाइस से सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड बदलें। सभी संदिग्ध एप्स अनइंस्टॉल करें। फोन फैक्ट्री रीसेट करें। नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करें। साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत करें। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- किसी भी स्कैम से बचने के लिए सतर्क रहना सबसे जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर अपने फोन और अकाउंट्स को सुरक्षित रख सकते हैं। 1. फर्जी कॉल पर बात न करें। 2 किसी के बहकावे, डर में न आएं। 3 किसी भी ऑफर पर भरोसा न करें। 4 अनजान लिंक पर क्लिक न करें। 5 फोन में जरूरी एप ही रखें। 6 एपीके फाइल पर क्लिक न करें। 7 ओटीपी, पिन किसी से शेयर न करें। 8 फोन पासवर्ड मजबूत रखें। 9 टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। 10 फोन में लॉक लगाकर रखें। 11. फोन, एप्स हमेशा अपडेटेड रखें। सवाल- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) क्या है? इसे फोन में इनेबल करना क्यों जरूरी है? जवाब- यह फोन को अतिरिक्त सुरक्षा देता है। जैसेकि- लॉगिन के लिए पासवर्ड के अलावा दूसरा वेरिफिकेशन (जैसे ओटीपी, फिंगरप्रिंट या ऑथेंटिकेटर एप कोड) भी जरूरी होता है। अगर गलती से पासवर्ड लीक हो जाए, तब भी अकाउंट सेफ रहने के चांस रहते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति आपके अकाउंट में आसानी से लॉगिन नहीं कर सकता है। साइबर फ्रॉड से बचाव का सबसे आसान और जरूरी तरीका है - संदेह करना। कोई भी कॉल, लिंक या ऑफर अगर असामान्य लगे, तो तुरंत रुकें और उसे वेरिफाई करें। वेरिफाई न हो तो मानकर चलें कि वो फ्रॉड ही है। सवाल- फोन हैक की शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- सबसे पहले अपने बैंक और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करें। नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके तुरंत सहायता लें। cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। नजदीकी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। शिकायत करते समय सभी सबूत (जैसे स्क्रीनशॉट, मैसेज या कॉल डिटेल) साथ रखें, ताकि कार्रवाई जल्दी हो सके।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।